दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूं न लिखूं सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः– 06
अंकः– 127
मुरादाबाद
(Friday)
28 August 2026
पृष्ठः–8
मूल्यः– 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र–बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'जो खेलेगा वो खिलेगा', युवा एथलीटों से बोले पीएम मोदी; ओलंपिक भागीदारी बढ़ाने पर दिया जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को खेलो इंडिया डायलॉग के तहत वर्चुअली युवा एथलीटों से संवाद किया। इस दौरान पीएम ने खिलाड़ियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के नाम से ही उनके राज्य और शहर की पहचान होती है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया डायलॉग - खेल की बात, प्रधानमंत्री मोदी के साथ के तहत गुरुवार को युवा एथलीटों को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इस दौरान कहा कि जो खेलेगा वो खिलेगा। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान कहा कि खिलाड़ियों के नाम से ही उनके राज्य और शहर की पहचान होती है। पीएम ने साथ ही सभी को राष्ट्रीय खेल दिवस की बधाई भी दी।

'अपनी परंपराओं और ज्ञान को आगे बढ़ाते हुए श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए', पीएम मोदी ने साझा किया सुभाषित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर संस्कृत का सुभाषित साझा किया। इसमें परंपरा और ज्ञान को आगे बढ़ाने, बुद्धि से न्यायपूर्ण और प्रकाशमय मार्ग चुनने, श्रेष्ठ जनों के सदाचार को अपनाने और विचारशील बने रहने की सीख दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर गुरुवार को सुभाषित शेयर किया है। उन्होंने एक श्लोक, तन्तुं तन्वन्रजसो भानुमन्विहि ज्योतिष्मतः पथो रक्ष धिया कृतान्। अनुल्बणं वयत जोगुवामपो मनुर्भव जनया दैव्यं जनम्॥ साझा किया है।

पीएम के इस सुभाषित का क्या अर्थ ? – जिसका हिंदी अर्थ है कि मनुष्य को अपनी परंपराओं और ज्ञान को आगे बढ़ाते हुए श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। उसे बुद्धि से निर्मित न्यायपूर्ण और प्रकाशमय मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। श्रेष्ठ जनों के सदाचार को जीवन में अपनाकर निरंतर विचारशील रहना चाहिए और दिव्य गुणों से सम्पन्न जनों का निर्माण करना चाहिए। एक दिन पहले बुधवार को भी प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा गया था, %ज्ञानवृद्धाः प्रशंसन्ति शुश्रूषन्तः परस्परम्। विनिवृत्ताभिसन्धानाः सुखमेधन्ति सर्वशः॥ साझा किया। जिसका हिंदी अर्थ है कि ज्ञानी और सज्जन व्यक्ति परस्पर सम्मान, सेवा और सद्भाव का व्यवहार करते हैं। वे व्यक्तिगत लाभ की भावना से मुक्त होकर एक-दूसरे की सेवा तथा प्रशंसा करते हुए जीवन में सुखपूर्वक उन्नति प्राप्त करते हैं।इससे पहले मंगलवार को प्रधानमंत्री की ओर से सुभाषित शेयर करते हुए संस्कृत श्लोक, %उत्तमैः सह साङ्गत्यं पण्डितैः सह सत्कथाम्। अलुब्धैः सह मित्रत्वं कुर्वाणो नावसीदति॥% शेयर किया गया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि उत्तम व्यक्तियों की संगति, विद्वानों के साथ सत्संवाद तथा निःस्वार्थ और निर्लोभी व्यक्तियों के साथ मित्रता करने वाला व्यक्ति कभी दुःखी नहीं होतासोमवार को सुभाषित शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा था, %करुणा से आत्म-सम्मान और संतोष से सच्ची खुशी मिलती है। इसी भाव से समाज में सहयोग और सद्भाव की डोर और सशक्त होती है। प्रधानमंत्री ने एक संस्कृत श्लोक, कारुण्येनात्मनो मानं तृष्णां च परितोषतः। उत्थानेन जयेत्तन्द्रीं वितर्कं निश्चयाज्जयेत॥% साझा किया था, जिसका हिंदी अर्थ है कि दूसरों के प्रति करुणा भाव रखने से आत्म-सम्मान प्राप्त होता है। संतोषी होने से तृष्णा पर विजय प्राप्त होती है। पुरुषार्थ द्वारा आलस्य तथा वितर्क, अर्थात् आधारहीन आशंकाओं पर निश्चय ही विजय प्राप्त करें। यह इवेंट राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 के मौके पर 1,500 से ज्यादा शिक्षण संस्थानों में वर्चुअली आयोजित किया गया। आईआईटी, आईआईएम, एम्स, जाने-माने मेडिकल कॉलेज और विश्वविद्यालय कार्यक्रम में हिस्सा लेने वाले संस्थान हैं। यह पहल चार बड़े क्षेत्रों पर फोकस कर रही है, जमीनी स्तर पर खेल संरचना को मजबूत करना, कोचिंग और प्रतियोगी मौके, 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए प्रतिभाओं को पहचानना और उन्हें विकसित करना, गवर्नेंस और नेतृत्व में युवाओं की भागीदारी बढ़ाना और युवाओं को भविष्य के लिए तैयार स्किल्स, वॉलंटियरिंग के मौके और देश बनाने के रास्ते देना।पीएम ने युवा एथलीटों को संबोधित करते हुए कहा, 2036 ओलंपिक के लिए खिलाड़ी तैयार करने हैं। खिलाड़ियों की पहचान के लिए टैलेंट हब कार्यक्रम चलाना है। इसमें हर खेल में पदक आएं उसके लिए भारत को खेलों में महारत हासिल करनी होगी। मेडल टैली बढ़ाने के लिए हर खेल में आगे बढ़ना जरूरी। पांच से 15 साल के खिलाड़ियों की पहचान करनी होगी। खेल के लिए जो भी मदद चाहिए, सरकार उसमें समर्थन देगी। ओलंपिक में भागीदारी बढ़ाने पर जोर देना होगा। इसके लिए सरकार खिलाड़ियों को हर संभव मदद देगी।सरकार की तरफ से दी जाएगी ट्रेनिंग- पीएम मोदी ने कहा, खेल को लेकर समाज का नजरिया बदला है। अच्छी खिलाड़ी बनने के लिए नशे से दूर रहना जरूरी है। मुझे भारत के युवाओं पर पूरा भरोसा है। कौन सा बच्चा किस खेल के लिए फिट है उसे पहचानें। स्पोर्ट्स इकोसिस्टम बढ़ाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग भी दी जाएगी।अपने भाषण में पांच से 15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए देशव्यापी प्रतिभा खोज अभियान शुरू करने की घोषणा की थी जिससे कि ओलंपिक में भारत की भागीदारी बढ़ाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

लापता लोगों में से 100 भारतीय और 25 चीनी नागरिक मिले; नेपाल बाढ़ में मृतकों का आंकड़ा 177 हुआ

नेपाल में बुधवार को आई भयंकर त्रासदी में मृतकों का आंकड़ा 150 के पार पहुंच गया है। तिब्बत सीमा पर अचानक आई बाढ़ अपने रास्ते में सबकुछ बहाकर ले गई। इस बाढ़ में कई पुल, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट तबाह हो गए। एक हजार के करीब लोग अभी भी लापता बताए जा रहे हैं और इनमें 133 भारतीय भी शामिल हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, लापता लोगों में से 100 भारतीय नागरिक और 25 चीनी कामगार मिल गए हैं। राहत और आपदा प्रबंधन विभाग के लोगों ने भारतीयों और चीनी नागरिकों को ढूंढ निकाला है। नेपाल सरकार के हवाले से रिपोर्ट में ये दावा किया गया है। नेपाल की भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या 177 हो गई है, जबकि 800 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। नेपाल पुलिस ने मृतकों की संख्या को लेकर अपडेट दिया। किनारे बसे कई जिलों से बरामद किए गए, जिनमें रसुवा, नुवाकोट, धाडिंग, चितवन, गोरखा, तनहुं, नवलपरासी (पूर्व) और नवलपरासी (पश्चिम) शामिल हैं। इनमें से ज्यादातर शव नेपाल के दक्षिणी मैदानी इलाके चितवन से बरामद किए गए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने कहा कि नेपाली सेना ने गुरुवार सुबह बचाव अभियान चलाया और बाढ़ से सबसे बुरी तरह प्रभावित इलाकों में से एक, टिमुरे से 95 नेपाली नागरिकों और 21 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला।

मायावती की अपील – बंद किए गए 30 हजार स्कूलों को दोबारा खोले यूपी सरकार

बसपा सुप्रीमो मायावती ने योगी सरकार से प्रदेश में बंद किए गए स्कूलों को फिर से खोलने की अपील की है साथ ही एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने के एलान को देर से उठाया गया सही कदम बताया है।बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि योगी सरकार की ओर से यूपी के एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने की घोषणा एक सही निर्णय है पर ये कदम चुनावी अधिक लगता है। उन्होंने शिक्षक भर्ती के लिए आंदोलनरत छात्रों की भी सुनने के लिए सरकार से अपील की है। वहीं, प्रदेश में बंद किए गए 30 हजार स्कूलों को खुलवाने की भी अपील की है। उन्होंने जारी किए गए बयान में कहा कि 1. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा अगले छह महीने में (अर्थात विधानसभा आमचुनाव तक) एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने की घोषणा हालांकि विलम्ब से उठाया गया सही किन्तु चुनावी कदम ज्यादा लगता है फिर भी वे नियुक्तियां पेपरलीक व भ्रष्टाचार आदि के अभिशाप से मुक्त समय से पूरा हो जायें तो यह सही होगा ताकि यह चुनावी छलावा ना साबित हों, जबकि इसके साथ ही एससी, एसटी व ओबीसी समाज के आरक्षित पदों के बैकलाग पर भर्तियों के बारे में भी सरकारी घोषणा की लोगों को उत्सुकता से प्रतीक्षा है।2. इतना ही नहीं बल्कि यहां 69,000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण के नियमों को लेकर इन वर्गों के 6,800 अभ्यार्थी अपनी नियुक्ति के लिये भूखे-प्यासे लगातार आन्दोलनरत हैं, उनके बारे में भी सरकार को पूरी सहानुभूतिपूर्वक जरूर सोचना चाहिये, क्योंकि उन्हें वास्तविक राहत सरकार ही दे सकती है।इसके साथ ही, बीएसपी यूपी सहित पूरे देश भर में स्कूली शिक्षा की बदहाल व्यवस्था को समुचित तौर पर बेहतर बनाने की मांग लगातार करती रहती है किन्तु संभवतः जेन-जी' व 'जेन-अल्फा' के दबाव में जो थोड़ी अनचाही हलचल सरकारी स्तर पर देखने को मिल रही है वह मामूली ही सही परन्तु स्कूली शिक्षा में सुधार करने की सही नीयत से हो तो यह उचित होगा और इस क्रम में यहां लगभग 30 हजार जो सरकारी स्कूल बंद कर दिये गये हैं उन्हें दोबारा अच्छे तरीके से सक्रिय करने की व्यवस्था सरकार अविलम्ब करे तो यह भी जनहित में होगा। 4. इसके अलावा, बुजुर्ग महिलाओं को बसों में निशुल्क यात्रा आदि की व्यवस्था से कहीं अधिक महिलाओं को हर क्षेत्र में शोषण, अत्याचार, उत्पीड़न आदि से बचाने के साथ ही महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान व आत्मनिर्भरता के बारे में भी सरकारों को सही नीयत व नीति से कार्य करने की जरूरत है।यूपी में चुनावी माहौल बनने लगा है सपा-भाजपा की तरफ से महिला मतदाताओं को लुभानेवाली योजनाओं की घोषणा की जा चुकी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने अगले छह महीने में एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने का एलान किया है।

कानपुर में ट्रेनी विमान क्रैशः अचानक नत्थूपुरवा के खेतों में गिरा, गूंजी धमाके की आवाज; दोनों पायलट की मौत

कटरी क्षेत्र स्थित नत्थूपुरवा में गुरुवार दोपहर एक ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट अचानक हादसे का शिकार होकर खेत में क्रैश हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में विमान उड़ा रहे दो ट्रेनी पायलटों की मौत हो गई।कानपुर के कटरी क्षेत्र में गुरुवार दोपहर नत्थूपुरवा गांव के पास एक ट्रेनिंग विमान (ट्रेनी एयरक्राफ्ट) अचानक अनियंत्रित होकर खेतों में जा गिरा। इस भीषण दुर्घटना में विमान में सवार दोनों ट्रेनी पायलट की दर्दनाक मौत हो गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्विन इंजन का यह ट्रेनिंग विमान अचानक तेज आवाज के साथ खेतों में आ गिरा। दुर्घटना के तुरंत बाद इलाके में भारी अफरा-तफरी मच गई और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। अचानक हुए इस हादसे से पूरे गांव में दहशत का माहौल है।घायल पायलट हैलट अस्पताल में भर्ती- घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत और बचाव कार्य शुरू करते हुए पुलिस ने विमान के मलबे से दोनों पायलटों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल एक ट्रेनी पायलट को तुरंत इलाज के लिए हैलट अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी भी मौत हो गई है।गुजरात के इंस्ट्रक्टर और कर्नाटक के ट्रेनी की मौत- पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने बताया कि गार्ग एविएशन का टेक्नाम एयरक्राफ्ट सुबह करीब 11:30 बजे उड़ा और लगभग 20 मिनट बाद कटरी इलाके के नथापुरवा गांव के पास क्रैश हो गया। क्रैश की वजह का तुरंत पता नहीं चल सका है। बताया कि इस हादसे में गुजरात के इंस्ट्रक्टर सचिन भाटिया और कर्नाटक के ट्रेनी पायलट अभिषेक पुजारी की मौत हो गई। डीजीसीए करेगा जांच- उन्होंने बताया कि भाटिया को करीब 3,000 घंटे की उड़ान का अनुभव था। घेराबंदी की और जांच के लिए सबूत के तौर पर एयरक्राफ्ट के मलबे को सुरक्षित किया। पुलिस ने बताया कि डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन एयरक्राफ्ट की एयरवर्दीनेस, मेंटेनेंस रिकॉर्ड और दूसरी तकनीकी बातों की जांच करेगा।शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह दो इंजन वाला एयरक्राफ्ट था। क्रैश वाली जगह के वीडियो में एयरक्राफ्ट पूरी तरह से मलबे में तब्दील दिखाई दिया और आसपास मलबा बिखरा हुआ था। मलबे के बाहर एक सीट भी देखी गई, हालांकि अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि पायलटों ने प्लेन से बाहर निकलने की कोशिश की थी या नहीं। कंपनी का दावा है कि 2023 से गार्ग एविएशन के पास मौजूद इस एयरक्राफ्ट में मेंटेनेंस से जुड़ी कोई कमी नहीं थी।

सीएम योगी ने यूपी स्टार्टअप मिशन पोर्टल का किया शुभारंभ, बोले– 25 करोड़ की आबादी हमारी यंग फोर्स

मुख्यमंत्री योगी ने स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप्स को ?3.42 करोड़ और 9 इनक्यूबेटर्स को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया साथ ही नए इनक्यूबेटर्स को मान्यता प्रमाण-पत्र, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन प्रमाण-पत्रों का भी वितरण किया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप इकोसिस्टम को नई गति देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 की पुस्तिका का विमोचन और उत्तर प्रदेश स्टार्टअप मिशन पोर्टल का शुभारंभ कर दिया। लोकभवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने स्टार्टअप नीति के अंतर्गत 107 स्टार्टअप्स को ?3.42 करोड़ और 9 इनक्यूबेटर्स को 1.79 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया साथ ही नए इनक्यूबेटर्स को मान्यता प्रमाण-पत्र, स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन प्रमाण-पत्रों का भी वितरण किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हम प्रदेश के युवाओं को तीन चीजें एक साथ उपलब्ध करवा रहे हैं। प्रोत्साहन फंड, इनक्यूबेटर्स के लिए फंड और स्टार्टअप के लिए माहौल बनाना और प्रोत्साहित करना। 2017 के पहले यूपी में 120 स्टार्टअप थे आज 24000 से ज्यादा हैं। इसके लिए प्रदेश सरकार प्रोत्साहन और माहौल दे रही है। 2017 के पहले गड्ढे वाली सड़कें और अंधेरा यूपी की पहचान था। पर्व और त्योहार के पहले दंगे होते थे। कर्फ्यू लगा रहता था। पांच वर्ष में 700 दंगे हुए थे। ऐसे माहौल में पढ़ाई, शिक्षा, रोजगार, स्टार्टअप और विकास के बारे में बात करना सपना था तब न पॉलिसी थी और न ही सरकार की इच्छाशक्ति थी। अजीब से वातावरण में लोग जीने को मजबूर थे।सीएम योगी ने कहा कि विदेशी प्रतिनिधिमंडल आते हैं और कहते हैं कि प्रदेश की 25 करोड़ की आबादी एक चुनौती होगी। हम कहते हैं कि दुनिया की सबसे यंग फोर्स यूपी में है। 24000 स्टार्टअप में से आधे का संचालन महिलाएं कर रही हैं। आज यूपी बॉटम से टॉप थ्री में आ चुका है। प्रदेश में महिलाओं की भागीदारी तीन गुना, बड़े उद्योग तीन गुना हो गए हैं। ये नया यूपी है। 2017 के पहले यूपी में स्टार्टअप क्राइम था- इस मौके पर आईटी इलेक्ट्रानिक्स मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि 2017 से पहले यूपी में स्टार्टअप एक क्राइम था पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपराध को नियंत्रित किया और स्टार्टअप को बढ़ावा दिया। आज यूपी में निवेश हो रहा है। यूपी स्टार्टअप का पावर हाउस बन सकता है। स्टार्टअप कोई बिजनेस नहीं बल्कि इनोवेटिव आइडिया है। सीएम योगी ने जनता पर बिना कोई टैक्स बढ़ाए प्रदेश का बजट 9.59 लाख करोड़ कर दिया है। शोध और नवाचार बेहद जरूरी- प्रदेश के वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि तरक्की के लिए शोध और नवाचार बेहद जरूरी है। 2017 में 120 स्टार्टअप थे। अब ये संख्या 24000 से ज्यादा है। प्रदेश में 76 से बढ़कर 88 इनक्यूबेटर हो गए हैं। अभी तक स्टार्टअप और इनक्यूबेटर को 60 करोड़ दिए जा चुके हैं।

संपादकीय Editorial

Systems have caved in to 'protests'

Across the country, 'protests' have become a powerful phrase and weapon. It can also be called a community experiment. It seems that suffering, injustice, and exploitation have reached such a peak that 'protests' are the only option left. Sometimes, it feels as if Mahatma Gandhi's consciousness has suddenly awakened within the group of 'protesters', determined to shake the very foundations of the system. Absolutely peaceful, restrained, and full of willpower, the 'protests' are being carried out in the face of the system's resistance and threats. They are successfully achieving their goals. This group is not inspired by Delhi's Jantar Mantar or Ramlila Maidan or any 'cockroaches'; rather, oppression, corruption, and exploitation have compelled them to struggle. Two examples seem unprecedented and unimaginable. Schoolgirls, drenched in rain, blocked the main road because they were fed up with the school's inefficient and neglectful systems. No teachers, no safe classrooms, no clean toilets, and no nutritious lunches! This protest shook the government and administration. The relevant officials immediately rushed to reassure the students. The protest was ended. Another example is from near Mhow (MP), the birthplace of Baba Ambedkar. In Nisarpur, Jhar district, the "Mata Shabri Residential Girls Hostel" was designed for 60 students, but approximately 150 were forced to live there, crammed like sheep and goats.

Late last Sunday night, 40 students from grades 9th-11th jumped out of windows, walked barefoot, and reached the police station. In the darkness of the night, the Sub-Divisional Magistrate (SDO) and Tehsildar rushed to the police station and heard the students' complaints. The hostel warden and acting principal were suspended with immediate effect. The system, more or less, had to bow to the protest. In fact, these "protests" are different from the various protests and movements in Delhi, Ranchi, Patna, Lucknow, and Kolkata. They neither want jobs, nor are they young enough, nor is their future at stake due to paper leaks or exam cancellations. Their protest is about basic infrastructure. Although the hunger strike and agitation in Ranchi have ended, the protests and struggle continue. Now, those 1,932 employed people are agitating, facing the loss of their jobs. The Soren government has cancelled all examinations conducted since 2014. Exams cancelled, so are selections, and as a result, jobs are lost…! This is a very strange situation. Now, these young people will go to court. In Patna, Bihar, approximately 70,000 positions are to be filled. In fact, there are over 110,000 vacancies in the government. In the face of protests and threats from young people, the government notified the recruitment and examination advertisement for 32,388 teachers in just four hours. Examinations are not held in Bihar year after year. Even a bachelor's degree takes five years. If exams are held, the results are pending.

When will the world care about Afghan girls? The Taliban, who captured Kabul, stopped their education, but we're not surprised that history is repeating itself.

The Taliban, who recaptured Kabul in 2021 after 1996, have banned girls from studying beyond the sixth grade. The surprise isn't that history is repeating itself, but that this time the world is not unaware. The Taliban recaptured Kabul in August 2021. Just weeks after, they banned girls from studying beyond the sixth grade. This ban remains in place. Afghanistan is the only country in the world where girls and women are officially barred from pursuing secondary and higher education. In the years that followed, Afghan women were also barred from working in most of the fields they previously worked in.About 2.2 million adolescent girls have been out of secondary school for approximately 1,800 days. According to a 2026 UNICEF analysis, these restrictions could cost Afghanistan approximately 20,000 female teachers and 5,400 health workers by 2030. These restrictions are costing the country an estimated US$84 million in economic losses each year. Since September 2025, the Taliban have barred Afghan women, even female United Nations (UN) staff, from entering UN offices. In January 2026, they also ceased receiving the salaries they had been receiving while at home since 2021. I've seen this before. The Taliban first captured Kabul in 1996. What's most surprising about this time's restrictions isn't that history is repeating itself, but that this time the world is unaware. Yet, the world's greatest failure is that despite knowing this truth, it has had no impact on the Taliban. Within days of the Taliban's takeover, Afghan women began chanting "Bread, Work, Freedom" on the streets of Kabul. This slogan demands basic human rights, such as education and employment, while attempts are being made to completely erase them from public life. During this period, Afghan women's groups organized numerous protests, and the women involved faced arrest, torture, and even murder. The repression was so severe that they were forced to conduct their protest activities secretly. Recently, in February 2026, girls once again took to the streets of Kabul, demanding the right to education. They chose a quiet but effective path of protest. They have created an informal network of secret home-based schools, which teach girls for whom normal classrooms are closed. Women are doing this because no one else will do this work for them, and it is essential. The primary channel for international dialogue with the Taliban is the UN-led Doha Process. Several rounds of talks have been held with Taliban representatives since 2023. Its aim is to reintegrate Afghanistan into the global community. This includes issues such as normal diplomatic relations, formal recognition of the Taliban government, and Afghanistan's normal participation in international institutions and trade. Under Taliban pressure, women and Afghan civil society organizations have been excluded from the main negotiations. They have been participating in separate meetings outside the main talks. Seema Samar, former chair of the Afghan Independent Human Rights Commission, argues that by accepting the Taliban's conditions for participation, the UN risks inadvertently legitimizing the very policies it claims to oppose. Meanwhile, Georgette Gagnon, Deputy Special Representative and Officer-in-Charge of the UN Assistance Mission in Afghanistan, expressed the opposite view at the same session. She argued that while progress may be slow, it is essential to maintain principled and practical engagement. This disagreement at the UN forum highlights the same situation that Afghan women have been drawing global attention to for years—statements of concern continue to surface, but they have no impact on the Taliban.In September 2024, Australia, Canada, Germany, and the Netherlands formally took up Afghanistan's obligations under CEDAW. CEDAW is the United Nations Convention on the Elimination of Discrimination against Women, which Afghanistan ratified in 2003. This initiative marked the first attempt to hold a country accountable for gender discrimination before the world's highest court. However, two years later, the case has not reached the International Court of Justice (ICJ). When the Netherlands and Canada adopted a similar process in a torture case against Syria, they completed every stage without delay. After negotiations stalled in 2022, they immediately sought mediation. When Syria failed to comply within the stipulated six-month deadline, the two countries filed a case with the ICJ in 2023 and obtained a binding order. Despite using this process against Afghanistan, no major success has been achieved. The matter remains stuck where it began. Afghan women and the countries that support them deserve a swift resolution like the one in Syria. I understand this well because I have experienced it myself. After the Taliban took Kabul in 1996, we learned on the radio that we had been promoted to the next class and that girls' schools would be closed. My parents took my sister and me to Pakistan to continue our studies. This was a decision many Afghan families couldn't make. I became the first woman to serve in the Afghan cabinet, first as a director, then as a deputy minister, and later as acting minister of mines and petroleum. Things changed for my generation. But there's no guarantee that the same will happen for today's generation. Over the past five years, Afghan women have proven they're not willing to accept this restriction forever. It's important to ask why, when Afghan women aren't willing to give up, the rest of the world has settled for so little. -The Conversation

This is what this generation will do: the dream of a developed India rests on the shoulders of Gen Z and Gen Alpha. Are we giving them the opportunity?

The dream of a developed India must be fulfilled by Gen Z and Gen Alpha, but the question is whether we are giving them the opportunity to do so. The goal of a developed India by 2047 is not a distant dream. Today, teenagers who are observing the future world on their mobile phones and children who understand AI as easily as previous generations understood radio and television will determine India's direction. They will lead Parliament, the courts, the administration, the military, science, industry, universities, and society. Therefore, the question of what India will be like in 2047 is actually linked to a deeper question: what are today's Generation Z (Gen G) and Alpha becoming?

Nations are not just made of roads, buildings, and the economy; they are also made of the character, mindset, dreams, and decisions of their citizens. Gen-Z and Gen-Alpha are the first generations in the country for whom the digital world is a natural extension of life. They hold not just smartphones, but the entire world in their hands. They learn quickly, see change as an opportunity, think beyond boundaries, and are unafraid to take risks. Startup culture, digital payments, space technology, online education, and global collaboration have reinvigorated their confidence. This energy can propel India forward toward innovation, entrepreneurship, and a knowledge-based economy. However, every era brings its own challenges. The same digital world that has provided them with boundless opportunities has also created the pressure of constant comparison, instant gratification, and information noise. In the future, this new generation will possess technologies that cannot even be fully imagined today. Decisions will be more data-driven, services will be more transparent, health and education will be more personalized, and governance can become more accountable. However, the outcome of technology depends on the character of the individuals who use it. Smart systems do not automatically create sensitive societies. In this context, the ideals of Mahatma Gandhi take on a new relevance. Gandhiji envisioned a society where there was justice, compassion, morality, and equal opportunity. He emphasized self-governance and the welfare of every individual. If we interpret these ideas in 21st-century terms, a modern society should be one where AI and new technology are used, yet human understanding and sensitivity are maintained in decisions. Digital governance should prevail, but the dignity of citizens should be paramount. The benefits of economic development should reach the last person in society. Humans and their needs should be at the center of innovation.

The question isn't whether Gen Z and Gen Alpha can achieve this; it's whether we're giving them the opportunity to become so. These generations demonstrate remarkable awareness about climate change, gender equality, mental health, social entrepreneurship, and global citizenship. They readily embrace diversity and have begun to view failure as part of the learning process. This vision can take India to new heights. However, if education becomes merely a means to a job, if families begin to provide facilities instead of dialogue, if success is limited to wealth and popularity, then the dream of a developed India will remain unfulfilled. Therefore, the ultimate goal for today's generation is not to surpass others, but to become a better version of themselves, combining knowledge with humility, ambition with responsibility, and success with sensitivity. Therefore, the greatest investment for a developed India should not be solely in digital infrastructure, but in personality development. Educational institutions should foster curiosity and develop critical thinking. Families should foster both dialogue and values, and public institutions should inspire young people to become.

12वीं पास ने पैसे देकर खरीदी आयुर्वेद की डॉक्टर डिग्री, जांच शुरू होते ही कॉलेज को लौटाई; मुरादाबाद का हैरान करने वाला मामला

मुरादाबाद में 12वीं पास तनवीर ने पैसे देकर आयुर्वेद की डिग्री खरीदी, जिसे जांच शुरू होने पर कॉलेज को लौटा दिया। इस मामले ने फर्जी चिकित्सकों और डिग्री वितरण प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हरियाणा के कालेज से वर्ष 2022-23 में हासिल की थी डिग्री, 2025 में वापस के बाद कार्रवाई पर सवाल फर्जी चिकित्सकों के मामले में अब सिर्फ संदिग्ध चिकित्सकों पर ही नहीं, बल्कि उन्हें डिग्री और पंजीयन तक पहुंचाने वाली व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं।

पाकबड़ा के तनवीर का नाम फर्जी चिकित्सकों की सूची में सामने आने पर उसकी शैक्षिक योग्यता की जांच हुई तो वह 12 वीं पास निकला।

जांच की भनक लगने पर उसने वर्ष 2025 में कालेज को डिग्री वापस कर दी। यह सिर्फ 12 वीं पास की ही मामला नहीं है बल्कि गांव-गांव की गलियों में बैठे झोलाछाप और आयुर्वेद के नाम पर ठीक करने वाले 10 वीं-12 वीं पास एलोपैथिक दवाएं मिलाकर मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। वर्ष 2022-23 में हरियाणा के कुरुक्षेत्र स्थित श्रीकृष्णा राजकीय आयुर्वेदिक कालेज एवं अस्पताल से आयुर्वेद की डिग्री तनवीर ने रुपये देकर हासिल कर ली। उसने मरीजों की जिंदगी से भी खिलवाड़ किया। डिग्री के आधार पर दवाइयां भी मरीजों को दीं।मामला सामने आने के बाद सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब डिग्री के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता पूरी नहीं थी तो तनवीर को प्रवेश और डिग्री कैसे मिली? यदि प्रमाणपत्र फर्जी थे तो उनकी जांच किस स्तर पर हुई और डिग्री लौटाने के बाद उसके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। केवल डिग्री वापस कर देने से मामला खत्म नहीं हो सकता। यह भी जांच जरूरी है कि तनवीर ने डिग्री के आधार पर कहीं चिकित्सा कार्य तो नहीं किया। उसे डिग्री दिलाने वाला कौन है। इससे उस सिंडिकेट का पता लगाया जा सकता है जो 12 वीं पास को फर्जी डिग्री बांट रहा है।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. अमरदीप सिंह नायक ने बताया कि पाकबड़ा निवासी तनवीर अहमद का मुरादाबाद में पंजीयन नहीं है। भारतीय चिकित्सा परिषद में उसका पंजीयन है। हमने सभी नए पंजीयन की स्क्रीनिंग के बाद ही पंजीयन किया है। बाकी अन्य के बारे में भी जानकारी जुटाने का प्रयास करेंगे।

फर्जीवाड़े के चक्कर में पैनल से बाहर हो चुके हैं सात अस्पताल-प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना के तहत पैनल में शामिल सात अस्पतालों को स्टेट हेल्थ एजेंसी डी-पैनल कर चुकी है। दो फोटोन, सिलेक्ट, एमआइ, एवीएस, सर्जिमेड, गैलेक्सी अस्पतालों ने मरीजों से जुड़े अभिलेखों में गड़बड़ी की थी। पोर्टल पर पूरी जानकारी नहीं होने की वजह से दो बार नोटिस भी दिए गए थे। फिर स्टेट हेल्थ एजेंसी की टीम ने मुरादाबाद में जांच भी कराई थी। अस्पतालों में पत्रों की जांच भी की थी। इसके बाद इन अस्पतालों को पैनल की सूची से बाहर कर दिया गया।

बिना डिग्री मरीजों का इलाज, मिश्रित पद्धति से खतरा-जिले में बिना डिग्री के उपचार करने वालों की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। कई स्थानों पर आयुर्वेद और एलोपैथी की दवाओं को मिलाकर मरीजों को देने की शिकायत है।

दर्द निवारक दवाओं का मनमाना इस्तेमाल मरीजों के लिए नुकसानदायक है। इंटरनेट पर उपचार की ब्रांडिंग कर मरीजों को भ्रमित किया जा रहा है। कटघर छोटी मंडी निवासी नूर हसन ने दलपतपुर में झोलाछाप को दिखाया था।

तीन माह दवा करने के बाद भी ठीक नहीं हुए। उनका कहना था कि दवा खाने के बाद आराम तो आ जाता था। लेकिन, तीन माह बाद फिर उससे ज्यादा तबीयत खराब हो गई। ऐसे लोगों की भी जांच की जरूरत है।

मुरादाबाद में जायरीनों की कार को स्कार्पियो ने मारी टक्कर, दो की मौत

मुरादाबाद में देर रात तेज रफ्तार स्कार्पियो ने जायरीनों की कार को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे कार पलट गई। इस भीषण हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मुरादाबाद में तेज रफ्तार स्कार्पियो ने जायरीनों की कार को टक्कर मारी। हादसे में शाकिर और अकबर नामक दो लोगों की मौके पर मौत हो गई। तीन अन्य घायल हुए, जिन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया

गया है। कलियर स्थित दरगाह साबिर पाक के कुल में शामिल होने जा रहे जायरीनों की कार में बुधवार देर रात तेज रफ्तार स्कार्पियो ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार शाकिर और अकबर की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

बुधवार रात चार दोस्त कार से कलियर जाने के लिए निकले थे। रात करीब 12 बजे मुरादाबाद-रामपुर बाइपास पर पाकबड़ा क्षेत्र के नानकबाड़ी गांव के पास उनकी कार पहुंची। इसी दौरान पीछे से आई तेज रफ्तार स्कार्पियो ने कार में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कार पलटकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने राहगीरों की मदद से घायलों को बाहर निकाला। हादसे में शाकिर निवासी बरवाला खास मूंढापांडे, अकबर निवासी खेमपुर थाना अजीमनगर रामपुर, फिरोज आलम निवासी मैनाठेर और इरशाद निवासी जिगनिया थाना सोनकपुर घायल हुए। दूसरी कार के चालक डा. आशीष कुमार निवासी टीएमयू भी घायल हो गया। उपचार के दौरान शाकिर और अकबर की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर थाने भिजवाया और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार ने बताया कि हादसे में दो लोगों की मौत और तीन के घायल हो गए है।

बिजली चोरी का नया जुगाड़ देखकर बिजली विभाग हैरान, मुरादाबाद के 40 गांवों में 2000 लोगों को नोटिस

मुरादाबाद में बिजली विभाग ने 40 गांवों में दो हजार घरों को नोटिस जारी किए हैं, जहां छज्जों का उपयोग कर बिजली चोरी की जा रही है। इन छज्जों से बिजली चोरी के साथ-साथ हादसे का भी खतरा है, और जवाब न देने पर विभाग इन्हें तोड़ेगा। मुरादाबाद। जिले में बढ़ रही बिजली चोरी की वजह घर बनाते समय निकाले गए छज्जे बन रहे हैं। बिजली विभाग ने जिले के 40 गांवों में दो हजार घर ऐसे चिह्नित किए है जिनके रास्ते की तरफ निकले हुए छज्जे की आढ़ से बिजली चोरी की जा रही है। सभी को नोटिस देकर 15 दिन के अंदर जवाब मांगा है। विभाग का मानना है कि छज्जे की आढ़ में केबल डालकर रात के समय बिजली चोरी की जाती है। इन छज्जों से हादसा होने का भी डर बना हुआ है। क्योंकि छज्जे बाहर निकले होने के चलते गांव में जा रहे केबल उनसे टच हो रहे हैं और कभी करंट उतर सकता है। तमाम प्रयास के बाद भी बिजली विभाग जिले में बिजली चोरी नहीं रोक पा रहा है। विभाग ने शहर में कुछ हद तक बिजली चोरी पर लगाम लगा दिया है। यहां पर लाइनलास 14 प्रतिशत है।

जबकि गांवों में अब भी करीब 20 प्रतिशत लाइनलास है।ऐसे तमाम गांव है जहां पर लाइनलास 40 प्रतिशत तक पहुंच रहा है। इन गांवों में लोग रात होते ही कटिया डालकर बिजली चोरी कर रहे हैं। तमाम प्रयासों के बाद भी जब बिजली चोरी रोकने में विभाग नाकाम रहा तो गांवों का सर्वे कराया गया। सर्वे में दो हजार घर ऐसे सामने आए जिनके छज्जे गांवों में जा रही बिजली केबल से टच हो रहे हैं। जिसके चलते हादसा होने का डर तो बना हुआ है साथ ही बिजली विभाग को अंदेशा है कि छज्जे पर केबल डालकर बिजली चोरी की जा रही है। अधिकारियों ने नोटिस के माध्यम से साफ कहा कि 15 दिन के अंदर नोटिस का जवाब देते हुए छज्जे को तोड़ ले, नहीं तो बिजली विभाग खुद छज्जा तुड़वा देगा। बढ़ जाता है ग्रामीण क्षेत्रों में लोड- बिजली विभाग के द्वारा किए गए आकलन के अनुसार जिले में शाम होते ही लोड बढ़ना शुरू हो जाता है। शहर में तो लोड बढ़ना लाजमी है, क्योंकि तमाम लोग काम से वापस अपने घरों में शाम को लौटते है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में लोड बढ़ने के बजाए घटना चाहिए। क्योंकि रात के समय तमाम बिजली का उपकरण ग्रामीण इस्तेमाल नहीं करते हैं। इसके बाद भी बढ़ रहे लोड के पीछे रात के समय होने वाली बिजली चोरी विभाग कारण मान रहा है। करीब दो हजार ऐसे घर चिन्हित किए गए है जो बिजली की लाइन होने के बाद बने है, लेकिन इन घर स्वामियों ने छज्जा सड़क की तरफ इतना निकाल लिया है कि वह केबल से टच हो रहा है। ऐसे में बिजली चोरी होने की बात तो सामने आई है और हादसा भी हो सकता है। इसलिए इन सभी को नोटिस दिया गया है। - गुलशन गोयल, अधीक्षण अभियंता देहात

संभल में स्वयं सहायता समूह के लड्डुओं ने भर दी अनुपम के जीवन में मिठास, मेहनत के दम पर खड़ा कर दिया सफल कारोबार

70 हजार का कर्ज लेकर शुरू किया कारोबार, अब 12 इंटर कॉलेजों तक पहुंच रहे उत्पाद

अनुपम कहती हैं कि एक समय ऐसा था जब 1500 रुपये की नौकरी छूटने के बाद परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। आज 50 से 55 हजार रुपये महीने का कारोबार कर रही हूं और समूह की दूसरी महिलाओं को भी काम दे पा रही हूं। इससे आत्मविश्वास बढ़ा है। ग्रामीण महिलाओं को अपने हुनर को पहचानकर चूल्हे-चौके से आगे बढ़ना चाहिए। परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न हों, अगर हौसला और हुनर साथ है तो रास्ते खुद बनते चले जाते हैं। बनियाखेड़ा ब्लॉक के गांव जैरोई हयातनगर निवासी 35 वर्षीय अनुपम ने इसकी मिसाल पेश की है। कभी निजी स्कूल में महज 1500 रुपये महीने की नौकरी करने वाली अनुपम आज अपने हुनर और मेहनत के दम पर 50 से 55 हजार रुपये महीने का कारोबार कर रही हैं। एनआरएलएम के स्वयं सहायता समूह से जुड़ने के बाद शुरू हुआ उनका सफर अब लड्डू और देसी नमकीन के कारोबार तक पहुंच गया है।

संभल की अनुपम स्नातक हैं। वर्ष 2020 से पहले अपने पति के साथ गांव के ही निजी विद्यालय में बच्चों को पढ़ाती थीं। दोनों की मामूली आमदनी से किसी तरह परिवार का खर्च चलता था। कोविड काल में स्कूल बंद हुआ तो नौकरी भी चली गई। आमदनी का जरिया खत्म होने के बाद परिवार आर्थिक संकट में घिर गया। इसी दौर में अनुपम ने परिस्थितियों के आगे घुटने टेकने के बजाय वर्ष 2020 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित संजीवन स्वयं सहायता समूह से जुड़ने का फैसला किया। वर्ष 2021 में समूह के माध्यम से अनुपम ने 70 हजार रुपये का ऋण लिया और गांव में ब्यूटी पार्लर तथा जनरल स्टोर शुरू किया। मेहनत का नतीजा यह रहा कि जिस कर्ज को चुकाने के लिए 10 महीने की अवधि थी, उसे उन्होंने महज आठ महीने में चुका दिया। इसके बाद भी करीब 20 हजार रुपये की शुद्ध बचत की। इस सफलता ने अनुपम का आत्मविश्वास बढ़ाया और उन्होंने कारोबार को आगे बढ़ाने का फैसला किया। विस्तार देने के लिए अनुपम ने ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान से 20 दिन का प्रशिक्षण लिया।

2024 में उन्होंने समूह के सीआईएफ फंड से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर रामदाना, रागी, ज्वार और बाजरा से मल्टीग्रेन पौष्टिक लड्डू तथा घर पर भुने देसी चने की नमकीन तैयार करने का काम शुरू किया। नवंबर 2024 से चंदौसी के 12 प्रमुख इंटर कॉलेजों में बच्चों के लिए करीब 2.80 लाख रुपये के लड्डुओं की आपूर्ति की गई। अब कई जनपदों तक फैला कारोबार-अनुपम का कारोबार अब संभल तक सीमित नहीं है। उनके उत्पाद मुरादाबाद और अमरोहा सहित कई जनपदों तक भी पहुंच रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अमरोहा में उनके समूह ने 22,600 रुपये के उत्पाद बेचे। वर्ष 2025 में अकेले संभल जिले में 3.86 लाख रुपये से अधिक के उत्पादों की बिक्री हुई। विभिन्न आयोजनों और प्रशासनिक कार्यक्रमों के ऑर्डर पर उन्हें करीब 20 प्रतिशत तक शुद्ध मुनाफा मिल जाता है। वर्ष 2025 में लागत निकालने के बाद करीब 3.05 लाख रुपये की शुद्ध आय हुई, जबकि वर्ष 2026 में अब तक 1.86 लाख रुपये की आमदनी हो चुकी है। संजीवन स्वयं सहायता समूह में 10 महिलाएं हैं। जब बड़े ऑर्डर मिलते हैं तो अनुपम समूह की दूसरी महिलाओं को भी काम देती हैं और उन्हें मेहनत के अनुसार पारिश्रमिक देती हैं।राखियों से लेकर लड्डू तक रक्षाबंधन के अवसर पर जिला प्रशासन ने अनुपम को 28 अगस्त को कलेक्ट्रेट सभागार में स्टॉल लगाने का अवसर दिया है। स्टॉल पर हाथ से तैयार की गईं मोतियों की राखियां, तिरंगा राखियां, रामदाना और मल्टीग्रेन लड्डू तथा देसी नमकीन उपलब्ध हैं। अनुपम समूह सखी के रूप में अन्य महिलाओं को आजीविका और स्वास्थ्य सखी जैसी गतिविधियों से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित कर रही हैं।पहला कदम बढ़ाने की हिम्मत जरूरी- अनुपम अनुपम कहती हैं कि एक समय ऐसा था जब 1500 रुपये की नौकरी छूटने के बाद परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो गया था। महीने का कारोबार कर रही हूं और समूह की दूसरी महिलाओं को भी काम दे पा रही हूं। इससे आत्मविश्वास बढ़ा है। ग्रामीण महिलाओं को अपने हुनर को पहचानकर चूल्हे-चौके से आगे बढ़ना चाहिए। सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर अगर पहला कदम बढ़ाया जाए और मेहनत जारी रखी जाए

संक्षिप्त समाचार

प्रेमी से बिछड़ने का गम सहन न कर सकी युवती, परिजनों के बाहर जाते ही फंदे पर झूली

मुरादाबाद में दूसरे समुदाय के युवक संग फरार हुई युवती ने प्रेमी से बिछड़ने के गम में फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने युवती को बरामद कर परिजनों को सौंपा था, लेकिन वह प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी थी। दूसरे सम्प्रदाय के युवक संग फरार हुई युवती ने प्रेमी से बिछड़ने के दस दिन बाद फंदे पर लटककर खुदकुशी कर ली। युवती 13 अगस्त को प्रेमी संग फरार हो गई थी। दो दिन बाद पुलिस ने उसे बरामद कर स्वजन को सौंप दिया था। युवती प्रेमी संग रहने की जिद पर अड़ी थी। बुधवार को स्वजन किसी काम से घर से बाहर गए तो उसने कमरे में जाकर फंदा बनाया और लटक गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सोनकपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी अनुसूचित समाज की युवती का संभल के हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र के एक गांव निवासी दूसरे सम्प्रदाय के युवक से करीब एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। 13 अगस्त को युवक युवती को लेकर फरार हो गया था। मामला दो सम्प्रदाय के बीच का जुड़ा होने के चलते पुलिस ने उसी दिन गुमशुदगी दर्ज कर युवती की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस ने 15 अगस्त को युवती को बरामद कर लिया था। पुलिस ने बिना किसी कार्रवाई के युवती उसके स्वजन को सौंप दी थी। बताया जाता है कि पुलिस ने युवक को भी हिरासत में लिया था जिसे बाद में छोड़ दिया था।उधर युवती लगातार प्रेमी के साथ रहने की जिद कर रही थी। बुधवार को दोपहर करीब दो बजे युवती घर में अकेली थी। तभी उसने कमरे में जाकर फंदा बनाया और लटक गई। स्वजन वापस लौटे तो युवती को फंदे पर लटका देख उनकी चीख निकल गई।शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए। लोगों ने शव को फंदे से उतारा। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। स्वजन ने पहले शव का पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया। बाद में पुलिस के समझाने पर वह मान गए। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज करने के बाद युवती को पुलिस ने बरामद कर स्वजन को सौंप दिया था। उस समय भी युवती के स्वजन ने कार्रवाई करने से इन्कार कर दिया था। अब भी युवती के स्वजन शिकायती पत्र नहीं दे रहे हैं।

रक्षाबंधन पर इस बार भद्रा का साया नहीं, जानें राखी बांधने का शुभ मुहूर्त और सही तरीका

मुरादाबाद में इस बार रक्षाबंधन 28 अगस्त को उदयातिथि के अनुसार मनाया जाएगा। भद्रा का साया न होने से बहनें दिनभर राखी बांध सकेंगी।भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का त्योहार नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास, कर्तव्य और पारिवारिक संस्कारों का महान पर्व है। श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार सदियों से समाज में आत्मीय संबंधों को मजबूत करने का संदेश देता आया है। बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उसके सुख, समृद्धि, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करती हैं, जबकि भाई अपनी बहन की रक्षा, सम्मान और हर परिस्थिति में साथ निभाने का संकल्प लेता है। ज्योतिषाचार्य पंडित केदार मुरारी ने बताया कि रक्षाबंधन का उल्लेख पौराणिक प्रसंगों में मिलता है। भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी के प्रेमपूर्ण संबंध से लेकर माता लक्ष्मी द्वारा राजा बलि को रक्षा सूत्र बांधने की कथा यह बताती है कि रक्षाबंधन केवल रक्त संबंधों तक सीमित नहीं होती, बल्कि स्नेह, श्रद्धा और विश्वास से बने हर पवित्र रिश्ते में रक्षाबंधन का भाव विद्यमान रहता है। अनुसार पूर्णिमा तिथि 27 अगस्त को सुबह 9:08 बजे से प्रारम्भ होकर 28 अगस्त की प्रातः 9:48 बजे समाप्त होगी, इसलिए उदया तिथि के अनुसार रक्षाबंधन 28 अगस्त को ही मान्य रहेगा। पंडित केदार मुरारी ने बताया कि इस बार भद्रा का साया नहीं रहेगा और बहनें दिन भर में कभी भी रक्षा बांध सकेंगी। पूजा की थाली में रोली, अक्षत, दीपक, मिठाई और राखी रखें। भाई को स्वच्छ एवं श्रद्धापूर्वक आसन पर बैठाकर उसके मस्तक पर तिलक करें, अक्षत लगाएं, आरती उतारें और दाहिने हाथ की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधते हुए उसकी मंगलकामना करें। मिठाई खिलाकर भाई-बहन एक-दूसरे के प्रति प्रेम एवं सम्मान का भाव रखें। भाई बहन के अटूट प्रेम, विश्वास, रक्षा व कर्तव्य पालन का पर्व है रक्षाबंधन = अर्द्धमौनी- महानगर सन्त एवं प्रान्त प्रमुख भारतीय संस्कृति रक्षा अभियान वैष्णवाचार्य धीरशान्त 'अर्द्धमौनी' ने कहा कि रक्षाबंधन भाई बहन के अटूट प्रेम, विश्वास, रक्षा व कर्तव्य पालन का पर्व है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डीएम अविनाश सिंह को स्वयं सहायता समूह की बहनों ने बांधी राखी, महिला स्वावलंबन और भाईचारे का दिया संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर स्वयं सहायता समूह (हक्क्रू) से जुड़ी दीदियों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी अविनाश सिंह को स्नेह और आत्मीयता के साथ राखी बांधी। दीदियों ने जिलाधिकारी के दीर्घायु एवं कुशल नेतृत्व की कामना करते हुए भाईचारे और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। जिलाधिकारी ने सभी दीदियों को रक्षाबंधन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्नेह के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन केवल पर्व नहीं, बल्कि विश्वास, सहयोग, सुरक्षा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं का आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनना पूरे जनपद के लिए प्रेरणादायी है। जिला प्रशासन महिला सशक्तिकरण, स्वावलंबन और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

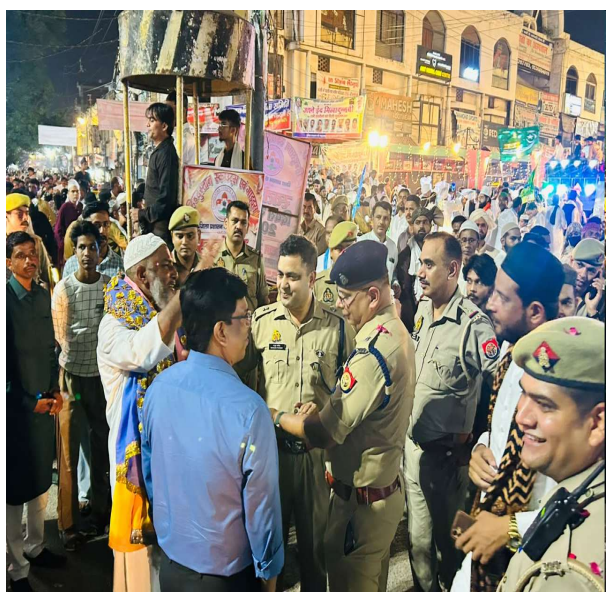

पुलिस की सतर्क निगरानी में जुलूस-ए-मोहम्मदी, शहर में कायम रही अमन-चैन की मिसाल

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। गुरुवार को शहर में जुलूस-ए-मोहम्मदी (बारावफात) का आयोजन शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। जुलूस थाना प्रेमनगर क्षेत्र के कोहड़ा पीर से शुरू होकर निर्धारित मार्ग से गुजरते हुए सकुशल अपने गंतव्य तक पहुंचा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य के निर्देशन में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही। पुलिस अधीक्षक नगर मानुष पारीक, पुलिस अधीक्षक यातायात मोहम्मद अकमल खां, सीओ प्रथम शिवम आशुतोष, एएसपी/सीओ तृतीय तथा सीओ द्वितीय नितिन कुमार सहित पुलिस अधिकारियों ने मौके पर मौजूद रहकर जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। अधिकारियों ने अधीनस्थ पुलिस बल के साथ लगातार क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर व्यवस्थाओं की निगरानी की। पुलिस की सतर्कता, प्रभावी सुरक्षा इंतजाम और आमजन के सहयोग से जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

खेलो इंडिया संवाद में गूंजा 'जो खेलेगा, वो खिलेगा' का संदेश

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय के एमबीए सभागार में 'खेलो इंडिया संवाद-खेल की बात पीएम के साथ' कार्यक्रम आयोजित हुआ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल माध्यम से युवाओं और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का जरिया है। 'जो खेलेगा, वो खिलेगा।' माय भारत की उपनिदेशक पुष्पा सिंह के निर्देशन में हुए कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. विनय ने की और संचालन अजय राज शर्मा ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। प्रधानमंत्री ने मेजर ध्यानचंद को स्मरण करते हुए देश की खेल विरासत और राष्ट्रीय खेल दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।

इसके बाद स्थानीय खेल अवसंरचना और भारत के खेल विजन पर परिचर्चा हुई। अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी एवं यूथ आइकॉन विश्वास शर्मा ने युवाओं से अपने अनुभव साझा किए। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा, सांसद छत्रपाल गंगवार और मीरगंज विधायक डॉ. डीसी वर्मा ने भी युवाओं को खेलों में बढ़-चढ़कर भागीदारी के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में युवा नेतृत्व, कौशल विकास, स्वयंसेवा, विकसित भारत और 2036 ओलंपिक के लिए प्रतिभाओं को तैयार करने जैसे विषयों पर संवाद हुआ। माय भारत की उपनिदेशक पुष्पा सिंह ने युवाओं से MY Bharat पोर्टल पर पंजीकरण कर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी का आह्वान किया। इस दौरान प्रो. रविंद्र सिंह, समाजसेवी भूपेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी, स्वयंसेवक और युवा मौजूद रहे। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

बीबीएल स्कूल में द्वितीय केके अग्रवाल अंतर-विद्यालय बैडमिंटन स्पर्धा 29 से, आईपीएस अंशिका वर्मा करेंगी शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली।बीबीएल पब्लिक स्कूल (डीडीपुरम) के सभागार में बृहस्पतिवार को एक पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें पीलीभीत रोड स्थित द्वितीय शाखा में आयोजित होने वाली द्वितीय केके अग्रवाल अंतर-विद्यालय बैडमिंटन स्पर्धा (केके अग्रवाल कप 2026) की विस्तृत जानकारी साझा की गई। विद्यालय के प्रधानाचार्य सर्वेश कुमार शर्मा ने बताया कि 29 अगस्त को प्रात: 9:00 बजे इस खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) आईपीएस अंशिका वर्मा करेंगी। प्रतियोगिता का समापन 31 अगस्त को होगा, जिसका निमंत्रण प्रबंधक सर्वेश कुमार अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न कराया जाएगा। खिलाड़ियों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु कोई भी शुल्क नहीं रखा गया है। शहर के लगभग 35 केंद्रीय और आईसीएसई बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों के छात्र-छात्राएं इसमें अपनी खेल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। यह स्पर्धा बालक एवं बालिका दोनों वर्गों में 11, 13, 15 और 17 वर्ष से कम आयु श्रेणियों में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का संयोजन सचिव विनय शर्मा करेंगे। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी दीपक गुप्ता, जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष डीएल खट्टर तथा सचिव अनिल मेहरोत्रा भी मौजूद रहे।

Jatayu Garden to Promote Women's Dignity and Empowerment in Bareilly

Kyun Na Likhun Sach /Satyam Sharma / Bareilly ? A unique Jatayu-inspired garden will be developed on nearly 10,000 square metres near Adinath Chowk under the Nath Corridor project. The garden will highlight Jatayu's courage and sacrifice while promoting the message of women's dignity, safety and empowerment under the Uttar Pradesh government's Mission Shakti initiative.

The proposed garden will feature a giant Jatayu statue as its centrepiece, along with fountains, water features, artistic installations and special lighting. A Sankalp Prangan will enable visitors to take a pledge to respect and protect women, while the Shakti Path will showcase inspiring messages on women's strength and achievements.

The complex will also include a Shakti Rangmanch for awareness programmes and self-defence training, besides Veerangana Chowk and Veerangana Udyan to honour inspiring women. Facilities such as a children's recreation area, food court and resting spaces are also planned.

Bareilly Development Authority Vice-Chairperson Saumya Pandey, IAS, said the project aims to transform Jatayu's sacrifice into a contemporary message of respect and protection for women. She said a tradition of taking a pledge for women's dignity and safety is proposed on Raksha Bandhan.

The project is expected to become a distinctive attraction of the Nath Corridor, combining cultural heritage, women's empowerment, tourism and public awareness.

नकटिया से नाथ गंगा तक गूंजा जल-पर्यावरण संरक्षण का संदेश, डॉ.तनु जैन की पहल पर कैंट क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। पर्यावरण एवं जल संरक्षण को जनअभियान का रूप देने के उद्देश्य से गुरुवार को कैंट क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान एवं जन-जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। डॉ. तनु जैन, सीईओ कैंटोनमेंट बोर्ड के मार्गदर्शन में सुबह नौ बजे धोपेश्वर नाथ मंदिर के निकट साई स्टेडियम रोड पर हुए अभियान में लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। अभियान के दौरान नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण, जल बचाने, नदी एवं जलस्रोतों की स्वच्छता तथा प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

लोगों ने श्रमदान करते हुए संदेश दिया कि पर्यावरण और जल की रक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का सामूहिक दायित्व है। डॉ. तनु जैन ने कहा कि बदलाव के लिए बड़े संसाधनों से ज्यादा जरूरी छोटे-छोटे सामूहिक प्रयास और नागरिकों की भागीदारी है। उन्होंने लोगों से जलस्रोतों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक का उपयोग कम करने और नियमित रूप से श्रमदान में भाग लेने का आह्वान किया। नकटिया से नाथ गंगा तक बनेगा जनभागीदारी का सेतु-नकटिया से नाथ गंगा तक की परिकल्पना को बरेली की प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत को पुनर्जीवित करने की दिशा में अहम पहल बताया गया। इसका उद्देश्य नदी, जल, हरियाली और जनभागीदारी को जोड़कर स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण-संवेदनशील बरेली की नींव मजबूत करना है। अभियान के अंत में नागरिकों से जल बचाएं, नदियां स्वच्छ रखें, प्लास्टिक मुक्त वातावरण बनाएं और प्रकृति संरक्षण में अपना योगदान दें का संकल्प लेने का आह्वान किया गया।

खाद्य विभाग की चार टीमों ने चलाया ताबड़तोड़ अभियान, लिए ताबड़तोड़ सैंपलिंग, जांच रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए आमजन को सुरक्षित एवं शुद्ध खाद्य-पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने जिले में सघन जांच अभियान चलाया। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की गठित चार टीमों ने 26 अगस्त को शहर और तहसील क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं खाद्य पदार्थों की जांच की।

अभियान के दौरान रामपुर रोड स्थित दिल्ली स्वीट्स से बर्फी और काजू कतली, बड़ा बाजार स्थित दीपक स्वीट्स से घेवर व सोनपापड़ी तथा इंडस अजंता, डोहरा रोड से बेसन के लड्डू और घेवर के नमूने लिए गए। इन छह नमूनों को अलग-अलग निर्माणशालाओं एवं वर्कशॉप से संग्रहित किया गया।

तहसील बहेड़ी क्षेत्र के गांव पड़ेरा, थाना शेरगढ़ से बर्फी और मऊई काजियान से भी बर्फी का नमूना लिया गया। रामगंगा चौकी पर बिक्री के लिए ले जाए जा रहे पनीर की जांच करते हुए वाहन संख्या यूपी-25 एटी-9278 से पनीर का नमूना संग्रहित किया गया।

इसके अलावा रेडिसन होटल, मुड़िया अहमदनगर से पनीर, फतेहगंज पूर्वी स्थित सोहन लाल मिष्ठान भंडार से खोया तथा फरीदपुर के बाजार क्षेत्र से दूध की लॉज का नमूना लिया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य विश्लेषक को भेज दिया गया है। रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

27 अगस्त को भी कार्रवाई जारी रही। मौलागढ़ में खाद्य कारोबारकर्ता शेरखान से बर्फी तथा गांव आसपुर गौटिया में इदरीस से मिल्क केक का नमूना संग्रहित किया गया। विभाग ने स्पष्ट किया कि रक्षाबंधन पर्व के मद्देनजर मिलावटी खाद्य पदार्थों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या

क्यूँ न लिखूँ सच /मोहम्मद सलीम/ जनपद पीलीभीत के थाना न्यूरिया क्षेत्र के गांव बसंतापुर में मामूली विवाद के बाद एक युवक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दिए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि किसी मामूली बात को लेकर हुए विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। आरोप है कि विवाद के दौरान युवक के साथ बेरहमी से मारपीट की गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। युवक को बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसकी मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से भी जानकारी ली।

सोनम खातून ने बरेली में धर्म बदलकर संजीव के साथ लिए सात फेरे

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली। बिहार के बेगूसराय की सोनम खातून ने सनातन धर्म अपना लिया है। बरेली के अगस्त्य मुनि आश्रम में धर्म परिवर्तन के बाद संजीव कुमार के साथ सात फेरे लेकर विवाह कर लिया। सोनम ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी के साथ धर्म परिवर्तन किया है। सोनम बिहार के बेगूसराय जिले के पचवीर की निवासी हैं। वह अपने परिवार के साथ गुजरात की एक फैक्ट्री में काम करती थीं। पास की फैक्ट्री में ही बरेली के भोजीपुरा क्षेत्र के बुझिया शुमाली गांव के संजीव भी काम करते थे। यहीं दोनों की मुलाकात हुई। इंस्टाग्राम पर बातचीत होने लगी। आखिर में सोनम ने संजीव के साथ विवाह करने का फैसला किया। दोनों बरेली आ गए और अगस्त्य मुनि आश्रम में शादी कर ली। सोनम के मुताबिक उनके पिता बेल्डर हैं। पूरा परिवार गुजरात में रहकर काम करता था। सोनम ने कहा कि चार-पांच साल से उसकी हिंदू धर्म में आस्था है। उन्होंने अपनी मर्जी से शादी की है। हिंदू धर्म की ली दीक्षा- अगस्त्य मुनि आश्रम के महंत पंडित केके शंखधार ने वैदिक रीति-रिवाज के साथ हिंदू धर्म की दीक्षा दिलाई। सोनम का नया नाम सोनम देवी रखा है। विवाह के साथ सोनम ने कहा कि वह संजीव के साथ खुश है।

रक्षाबंधन पर लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर में गूंजा भाई-बहन के स्नेह का संदेश, अधिकारियों को बांधा रक्षा सूत्र

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध एवं भारतीय शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित लक्ष्मण सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिलारी में 27 अगस्त 2026 को रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया।

प्रात:कालीन वंदना सत्र में सामूहिक प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की आचार्य दीदियों एवं छात्राओं ने प्रधानाचार्य रामवीर सिंह एवं समस्त आचार्य बंधुओं को रक्षा सूत्र बांधकर उनके दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन की मंगलकामना की। छात्राओं ने छात्र भैयाओं के साथ विद्यालय के कर्मचारियों को भी राखी बांधकर स्नेह, सहयोग और सुरक्षा के संकल्प को मजबूत किया। रक्षाबंधन के संदेश को सामाजिक स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से विद्यालय की आचार्य दीदियों एवं छात्राओं की टोलियों ने विभिन्न बैंकों, भारतीय डाकघर, कोतवाली बिलारी तथा तहसील मुख्यालय पहुंचकर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांधे। कोतवाली प्रभारी उदय प्रताप सिंह सहित पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को राखी बांधकर उनके द्वारा समाज की सुरक्षा के लिए किए जा रहे कार्यों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। वहीं उपजिलाधिकारी प्रिंस वर्मा को रक्षा सूत्र बांधकर जनसेवा एवं सुरक्षा के प्रति उनके दायित्वों के लिए सम्मान प्रकट किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामवीर सिंह एवं वरिष्ठ आचार्य विवेक ने सभी को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते को मजबूत करने वाला पर्व ही नहीं, बल्कि कर्तव्य, सुरक्षा, स्नेह और परस्पर विश्वास की भावना को सुदृढ़ करने का भी अवसर है। कार्यक्रम ने विद्यालय परिवार के साथ-साथ सामाजिक एवं प्रशासनिक क्षेत्र में भी भाईचारे, सम्मान और सुरक्षा का सकारात्मक संदेश दिया।

रक्षाबंधन पर बहनों ने वृक्षों को बांधा रक्षा सूत्र, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच / । विद्या भारती से संबद्ध एवं जन शिक्षा समिति पश्चिमी उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित ग्राम भारती पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तमनगर, रामपुर में पवित्र श्रावण मास की पूर्णिमा एवं रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से प्रात:कालीन वंदना सभा के बाद रक्षाबंधन कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने रक्षाबंधन पर्व की महत्ता बताते हुए भगवान श्रीकृष्ण और द्रौपदी से जुड़े प्रसंग का उल्लेख किया तथा कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का पर्व है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार संकट के समय भगवान श्रीकृष्ण ने द्रौपदी की रक्षा की, उसी प्रकार भाई-बहन को एक-दूसरे के सुख-दुख में सदैव साथ खड़ा रहना चाहिए। इसके बाद रिमझिम वर्षा के बीच प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने पर्यावरण प्रमुख सुनीता रानी मौर्य, कन्या भारती अध्यक्ष कमल मौर्य एवं वंदना प्रमुख बहनों के साथ विद्यालय के मुख्य द्वार के सामने सड़क किनारे स्थित देववृक्ष पीपल तथा पूजनीय तुलसी के पौधे को सामूहिक रूप से रक्षा सूत्र बांधा। पुष्प अर्पित कर धूप-दीप से पूजन किया गया और उपस्थित बहनों एवं विद्यालय परिवार को वृक्षों की सदैव रक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर ब्रजकिशोर मौर्य, नरोत्तम सिंह मौर्य, उमेश कुमार, धर्मेंद्र सिंह, संजय कुमार, अनिल कुमार, प्रकाश बाबू, प्रेमपाल, संजय सिंह, दिलीप कुमार, विजेंद्र सिंह, सुनील कुमार, रंगोली एवं साज-सज्जा प्रमुख अंजली मौर्य, वंदना प्रमुख पूजा टैगोर, सेविका श्रीमती कलावती, कुमारी आंचल, गुंजन, मेघा, शिवानी, अंजू, अंशिका, मीनाक्षी एवं भूमिका सहित विद्यालय परिवार के सदस्यों ने वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में सभी ने संघ की प्रार्थना 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' का सामूहिक गायन किया। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने भारत माता के दर्शन एवं उनके प्रति कर्तव्यबोध पर भी प्रकाश डाला। रक्षाबंधन के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम ने भाई-बहन के प्रेम के साथ प्रकृति और पर्यावरण की रक्षा का प्रेरणादायी संदेश दिया।

घनघोर वर्षा के चलते योग कार्यक्रम स्थगित, योगशाला में गूंजे भजनों के स्वर

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । घनघोर वर्षा के कारण योग परिवार संगठन की ओर से योगशाला में आयोजित होने वाला नियमित योग कार्यक्रम स्थगित कर धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस दौरान विभिन्न योग साधकों ने सुंदर भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. राजवीर सिंह ने योग परिवार संगठन को एक कॉर्डलेस माइक सिस्टम दानस्वरूप भेंट किया। माइक सिस्टम के उद्घाटन के अवसर पर योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भजनों की प्रस्तुति दी। संगठन के पदाधिकारियों ने डॉ. राजवीर सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सहयोग से योगशाला में आयोजित होने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों को और बेहतर ढंग से आयोजित करने में सुविधा मिलेगी। कार्यक्रम में उपस्थित साधकों ने भविष्य में भी इसी प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करते रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर योग परिवार संगठन से जुड़े साधक एवं सदस्य मौजूद रहे।

रक्षाबंधन पर बिलारी बस स्टेशन पर उमड़ी भीड़

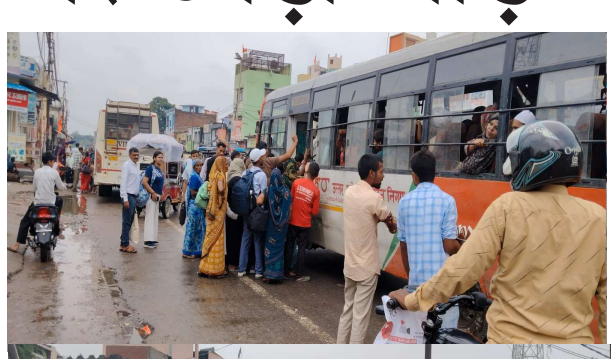

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच / । रक्षाबंधन पर्व को लेकर बिलारी रोडवेज बस स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ रही है। भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए बहनों और परिवारों के अपने घरों की ओर जाने तथा रिश्तेदारों के यहां पहुंचने का सिलसिला तेज हो गया है। बस स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ के चलते बसें खचाखच भरी नजर आ रही हैं। बारिश के बीच भी यात्रियों के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दे रही। महिलाएं, बच्चे, बुजुर्ग और युवा सामान लेकर बसों का इंतजार करते नजर आए, वहीं बस पहुंचते ही उसमें सवार होने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। रक्षाबंधन के चलते सामान्य दिनों की अपेक्षा बस स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही काफी बढ़ गई है और आसपास के क्षेत्र में भी दिनभर चहल-पहल बनी हुई है। मौसम खराब होने के बावजूद भाई-बहन के पवित्र प्रेम के पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

ईद मिलादुन्नबी पर टांडा अमरपुर में आयोजित हुआ जलसा, नबी की शान में हुई तकरीर

बिलारी टांडा अमरपुर क्यूँ न लिखूँ सच / ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर ग्राम टांडा अमरपुर में जलसे का आयोजन किया गया। जलसे का आगाज गांव के मौलाना हाफिज नासिर हुसैन ने फीता काटकर किया। कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान महबूब प्रधान, पूर्व प्रधान अमरेंद्र सिंह चौधरी, नितिन चौधरी, जितेंद्र चौधरी, डॉ. शिवनारायण सहित बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर जलसे की शोभा बढ़ाई। जलसे में मुफ्ती फहीमुद्दीन कादरी नईमी ने नबी की शान और उनकी शिक्षाओं पर तकरीर करते हुए आपसी भाईचारे, प्रेम, सद्भाव और इंसानियत का संदेश दिया। कार्यक्रम में कमेटी अध्यक्ष डॉ. इबले हसन, शमशाद सलमानी, अख्तर अली, नजाकत सलमानी, यामीन मलिक, मुन्ने इदरीसी, यूनुस मलिक, मौ. जान, नवी हसन, इलियास मलिक, नफीस वकील, शमीम उर्फ बड्डे, जाबिर हम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। जलसे के दौरान क्षेत्र में आपसी सौहार्द और भाईचारे का संदेश दिया गया तथा देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ की गई।

चौधरपुर में घरौनी वितरण की उठी मांग, मजदूर पाठशाला में श्रमिक हितों पर चर्चा

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । चौधरपुर गांव में ग्रामीणों को घरौनी उपलब्ध न होने का मामला गुरुवार को नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से आयोजित मजदूर पाठशाला एवं परिषद अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा के समक्ष रखकर पात्र ग्रामीणों को घरौनी जाएगी। पाठशाला में श्रमिकों के चर्चा करते हुए पात्र मजदूरों को ?5,000 तथा अटल आवासीय विद्यालयों में बच्चों को प्राथमिकता देने की मांग भी धर्मवीर, विकास कुमार, प्रदीप, करतार, कुमारपाल चौधरी, समय सिंह, अरुण, अंकित, सुरेंद्र, सोनू, जोगेंद्र, दानवीर, नबाब सिंह व जोनी सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

में उठाया गया। मानवाधिकार रक्षक कि मामले को उपजिलाधिकारी उपलब्ध कराने की मांग की सामाजिक-आर्थिक अधिकारों पर प्रतिमाह श्रमिक सम्मान निधि देने वास्तविक पात्र श्रमिक परिवारों के उठाई गई। इस दौरान दीनदयाल, अखलेश, राजू, नेत्रपाल सिंह,

संक्षिप्त समाचार

नगर पालिका ने चलाया गोवंश संरक्षण अभियान

बिलारी। क्यूँ न लिखूँ सच / । नगर पालिका परिषद बिलारी की ओर से गुरुवार को नगर क्षेत्र में खुले में घूम रहे गोवंश को पकड़कर सुरक्षित गौशाला पहुंचाने के लिए अभियान चलाया गया। गौशाला के प्रभारी लिपिक हुकुम सिंह के नेतृत्व में पालिका टीम ने नगर के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर खुले में घूम रहे गोवंश को कड़ी मेहनत के साथ पकड़ा और उन्हें सुरक्षित गौशाला पहुंचाया। अभियान का उद्देश्य नगर में खुले में घूम रहे गोवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराने के साथ ही नागरिकों को होने वाली असुविधा को कम करना रहा। अभियान के दौरान पालिका कर्मचारी हुकुम सिंह, गौरव, अंकुल सहित अन्य पालिका स्टाफ मौजूद रहा।

त्योहार की खरीदारी के चलते कस्बे में भारी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। रक्षाबंधन से एक दिन पहले गुरुवार को साप्ताहिक बृहस्पति बाजार और त्योहार की खरीदारी के चलते कस्बे में भारी भीड़ उमड़ पड़ी। वाहनों की संख्या बढ़ने से लोधीनगर चौराहे पर भीषण जाम लग गया। शाही मार्ग, सरजू कट और कस्बे में आने वाले रास्ते पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोग काफी देर तक जाम में फंसे रहे। जाम की सूचना मिलते ही कस्बा चौकी प्रभारी आदेश कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए वाहनों को व्यवस्थित तरीके से निकलवाया और यातायात को नियंत्रित किया। पुलिस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद चौराहे का यातायात सुचारु करा दिया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को राहत मिली। इस दौरान उपनिरीक्षक गंगाधर, हेड कांस्टेबल विक्की सिंह, कांस्टेबल अक्षय चौधरी, निगम त्यागी, शिवा पुंडीर तथा होमगार्ड राजेश कुमार सिंह, अरविंद कुमार और ऋषिपाल मौजूद रहे।

सामान्य दर्शन के लिए पास व्यवस्था खत्म, अब बिना पास के हो सकेंगे दर्शन; इन मंदिरों के लिए बदला नियम

अयोध्या राम मंदिर परिसर के अंदर बने कई उपमंदिरों में दर्शन की व्यवस्था में बदलाव किया गया है। अब यहां के लिए पास की आवश्यकता नहीं होगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम जन्मभूमि परिसर के उप मंदिरों में दर्शन के लिए सामान्य दर्शन पास व्यवस्था समाप्त कर दी है। एक सितंबर और उसके बाद की तिथियों के लिए ऑनलाइन बुकिंग बंद कर दी गई है। श्रद्धालु अब बिना किसी पास के इन मंदिरों में दर्शन कर सकेंगे। यह निर्णय इसलिए लिया गया है क्योंकि मई माह से ही बिना पास के दर्शन की सुविधा उपलब्ध है। राम जन्मभूमि परिसर में सभी मंदिरों का निर्माण पूरा होने के बाद 13 अप्रैल से दर्शन शुरू हुए थे। शुरुआती चरण में सुगम, विशिष्ट और सामान्य पास के आधार पर दर्शन की व्यवस्था थी। सामान्य पास की शुरुआत 10 अप्रैल से हुई थी और यह केवल ऑनलाइन उपलब्ध था।मई में श्रद्धालुओं की संख्या कम होने पर बिना पास के दर्शन की अनुमति दी गई थी। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 31 अगस्त तक सामान्य पास की बुकिंग जारी रखी थी। अब इसकी आवश्यकता नहीं है। सुगम दर्शन और आरती पास की बुकिंग फिलहाल जारी रहेगी। ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन से इस संबंध में संपर्क नहीं हो सका।

मन, वचन, कर्म से पवित्रता की प्रतिज्ञा करना ही सच्चा रक्षाबंधन - ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी

क्यूँ न लिखूँ सच /हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, ए-33 मुखर्जी नगर सेवा केंद्र द्वारा विदिशा जिला जेल में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी बहनों ने जेल में सभी बंदी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधकर उनसे आजीवन अपराध न करने और बुराइयों को त्याग कर सदमार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा कराई। कार्यक्रम में राखी का वास्तविक आध्यात्मिक अर्थ समझाते हुए ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने कहा कि इस त्योहार के पीछे रहस्य यह है कि सृष्टि के आदि में परमपिता परमात्मा शिव और प्रजापिता ब्रह्मा के निर्देश से सच्चे ब्राह्मणों ने तथा शिव-शक्ति रूपा बहनों ने मनुष्यों को यह बंधन बाँधा था कि वे पवित्र बनें अर्थात् काम, क्रोध आदि विकारों पर विजय प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि यदि इस वास्तविक रहस्य को जानकर यह पर्व मनाया जाए तो इससे बहुत बड़ी प्राप्ति हो सकती है। यह त्योहार इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करने के संकल्प का सूचक है, अर्थात् भाई और बहन के नाते में जो मन, वचन और कर्म की पवित्रता समाई हुई है, उसका बोधक है। आज उसी पुनीत कार्य की पुनरावृत्ति हो रही है। ब्रह्माकुमारी बहनें ईश्वरीय ज्ञान और सहज राजयोग द्वारा भाई-बहन के शुद्ध स्नेह और पवित्रता के शुद्ध संकल्प का रक्षा बंधन बाँधती हैं। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा कि परमपिता परमात्मा ही मनुष्य के सच्चे कल्याणकारी और रक्षक हैं। आज विश्व के लिए संकट का समय है, एटम और हाइड्रोजन बमों से विश्व को खतरा है और विकारों की सूक्ष्म अग्नि से दुनिया झुलस रही है। ऐसे समय में इस सृष्टि को विकारों रूपी महाशत्रुओं से बचाने के लिए पवित्रता का व्रत लेना ही सच्ची रक्षा है। कार्यक्रम के अंत में जेल अधीक्षक श्री प्रियदर्शन श्रीवास्तव ने ब्रह्माकुमारी बहनों का आभार व्यक्त किया और सभी बंदी भाइयों से बुराइयाँ छोड़कर अपराध न करने की अपील की। इस अवसर पर जेल स्टाफ एवं बड़ी संख्या में बंदी भाई उपस्थित रहे।

अधेड़ से निकाह पर युवती ने घर छोड़ा मंदिर में प्रेमी के संग लिए सात फेरे

क्यूँ न लिखूँ सच /लवकुश ठाकुर/ अलीगढ़। जिस रिश्ते को युवती अपनी जिंदगी का फैसला मानकर स्वीकार नहीं कर पा रही थी, उससे बचने के लिए उसने घर छोड़ने का फैसला कर लिया। देहली गेट क्षेत्र के भुजपुरा निवासी 20 वर्षीय युवती का आरोप है कि परिजन उसकी मर्जी के खिलाफ एक अधेड़ से निकाह तय कर रहे थे।

वह व्यक्ति पहले से शादीशुदा और दो बच्चों का पिता है। युवती ने उससे निकाह का विरोध किया तो घर में विवाद बढ़ गया।

आखिरकार 24 अगस्त को युवती घर से निकल गई और अपनी पसंद के युवक के साथ मंदिर में विवाह कर लिया। अब नवविवाहित दंपती ने मायके पक्ष से जान का खतरा बताते हुए एसएसपी से सुरक्षा की गुहार लगाई है। एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में युवती ने आरोप लगाया कि उसके परिजनों पर मारपीट और धमकी देने का आरोप, एसएसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार घर से निकली, मंदिर में लिए सात फेरे युवती के मुताबिक, 24 अगस्त को वह अपनी मर्जी से घर से निकली और महुआखेड़ा थाना क्षेत्र के भोपतपुर गडराना निवासी 26 वर्षीयं वेदप्रकाश के साथ मंदिर पहुंची। वहां दोनों ने हिंदू रीति-रिवाज से विवाह किया। युवती ने बताया कि विवाह के बाद कानूनी प्रक्रिया के लिए अदालत में शपथ पत्र भी. तैयार कराया गया है। अब युवती को डर है कि उसके परिवार के लोग उसके पति और ससुराल पक्ष के खिलाफ झूठा मुकदमा दर्ज करा सकते हैं। उसने अपने और पति के जीवन को भी खतरा बताया है।

माता-पिता और भाई उसकी इच्छा के विरुद्ध निकाह तय कर रहे थे। जिस व्यक्ति से रिश्ता तय किया जा रहा था, वह उम्र में उससे काफी बड़ा होने के साथ पहले से शादीशुदा और दो बच्चों का पिता है। युवती का कहना है कि उसने इस रिश्ते को स्वीकार करने से साफ इन्कार कर दिया था। आरोप है कि विरोध करनें पर परिजनों ने उसके साथ मारपीट की और प्रताड़ित किया। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि उसे जिंदा जलाने की धमकी दी गई। इसके बाद उसने घर में रहने के बजाय अपनी जिंदगी का फैसला खुद लेने का निर्णय किया।

दंपती ने मांगी सुरक्षा - युवती ने एसएसपी से पति और ससुराल पक्ष के लोगों की सुरक्षा की मांग की है। मामले में सीओ तृतीय सर्वम सिंह ने बताया कि यदि दंपती को कोई परेशान करता है तो शिकायत मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

जेल की सुरक्षा व्यवस्था परखी, बंदियों की सुविधाओं के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /नीरज कुमार/ उरई। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय एवं पुलिस अधीक्षक डॉ. विनय कुमार सिंह ने

गुरुवार को जिला कारागार का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था और बंदियों के उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कारागार परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण करते हुए जेल प्रशासन से बंदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कारागार की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, बंदियों के रहने की व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाए रखने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कारागार की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। निर्धारित मानकों के अनुसार सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। बंदियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के साथ ही भोजन, पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कारागार में नियमित निगरानी रखने और सुरक्षा संबंधी सभी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही जेल परिसर में आने-जाने वाले व्यक्तियों की निगरानी सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बंदियों से संबंधित समस्याओं का नियमानुसार समयबद्ध निस्तारण करने तथा शासन द्वारा निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जेल अधीक्षक सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

सफलता की कहानी:केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा

सरकारी योजनाओं का मिला संबल: स्वावलंबन की मिसाल

बनीं कोलारस की अंगूरी धाकड़, बनीं लखपति दीदी

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के संबल से ग्रामीण अंचल की महिलाएँ अब न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध हो रही हैं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत और सशक्त मध्य प्रदेश के सपने को साकार कर रही हैं। ऐसी ही एक मिसाल पेश की है जिला शिवपुरी, विकासखंड कोलारस, ग्राम पंचायत किलानी की निवासी अंगूरी धाकड़ ने, जिन्होंने सीमित संसाधनों से शुरुआत कर अपनी लगन और मेहनत के बल पर लखपति दीदी बनने का गौरव हासिल किया है।

समूह से जुड़ाव और सिलाई से पहली शुरुआत- अंगूरी धाकड़ के जीवन में सकारात्मक बदलाव की शुरुआत तब हुई जब वे आजीविका मिशन के लवकुश स्व सहायता समूह से जुड़ीं। मिशन के तहत सिलाई का निःशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने समूह से 10,000 का पहला लोन लिया। इस राशि से सिलाई मशीन खरीदकर उन्होंने घर से ही कपड़े सिलने का काम शुरू किया, जिससे उन्हें रोजाना 200 से 300 की नियमित आय मिलने लगी और आत्मविश्वास बढ़ा।

ग्रामीण आजीविका मिशन- 50,000 के दूसरे लोन से मनयारी दुकान की स्थापना- सिलाई से हुई बचत और अनुभव के बल पर अंगूरी जी ने अपने काम को आगे बढ़ाने का फैसला किया। उन्होंने आजीविका मिशन के स्व सहायता समूह के माध्यम से ही 50,000 का दूसरा लोन प्राप्त किया।

इस राशि का उपयोग कर उन्होंने गाँव में किराए की दुकान लेकर मनयारी (जनरल स्टोर व प्रसाधन सामग्री) का व्यवसाय शुरू किया, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में और सुधार आया।

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना: 2 लाख के लोन से कपड़ा व्यवसाय का शुभारंभ- अंगूरी धाकड़ की लगन और व्यवसायिक क्षमता को देखते हुए उन्हें बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत 2 लाख रुपए का लोन स्वीकृत कराया गया। इस वित्तीय मदद से उन्होंने किराए की दुकान की निर्भरता समाप्त कर अपने घर में ही पक्की दुकान कर कपड़ा व्यवसाय (क्लॉथ स्टोर) शुरू किया। आज वे थोक बाजार से कपड़े लाकर बेचने के साथ-साथ सिलाई और मनयारी का काम भी सफलतापूर्वक चला रही हैं।

प्रतिमाह 15,000 से 18,000 की कमाई, बनीं लखपति दीदी- केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के इस सफल संयोजन से आज अंगूरी धाकड़ विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से प्रतिमाह 15,000 से 18,000 तक की आय अर्जित कर रही हैं।

कभी सीमित साधनों में जीवन बिताने वाली अंगूरी जी आज समाज में लखपति दीदी के रूप में पहचान बनाकर अन्य ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन चुकी हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री का जताया आभार-अपनी सफलता का श्रेय केंद्र व राज्य सरकार की नीतियों को देते हुए अंगूरी धाकड़ कहती हैं कि आजीविका मिशन और मुद्रा योजना के सहयोग से ही उनके लिए आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना संभव हो सका है। उन्होंने महिलाओं के सर्वांगीण विकास और स्वावलंबन के लिए चलाई जा रही इन योजनाओं के लिए देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और जिला प्रशासन का सहृदय आभार व्यक्त किया है।

सेवा के संकल्प के साथ अनिल मित्तल ने संभाली रोटरी क्लब की कमान

क्यूँ न लिखूँ सच /ब्यूरो / बरेली ,गोंडा। रोटरी क्लब गोंडा ग्रीन का 11वां पदग्रहण समारोह बुधवार को लखनऊ रोड स्थित गोल्डन फेयरी रिसॉर्ट में आयोजित हुआ। समारोह में रोटेरियन अनिल कुमार मित्तल ने अध्यक्ष और डॉ. आलोक कुमार अग्रवाल ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने क्लब के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए समाजसेवा के साथ भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक मूल्यों से जुड़े रहने का संदेश दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने पूरी टीम के साथ सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया।

समारोह में क्लब की ओर से किए गए रक्तदान, स्वास्थ्य जांच, पौधरोपण, सैनिटरी पैड वितरण समेत विभिन्न सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी गई।

12 नए सदस्यों को क्लब में शामिल किया गया, जबकि 50 वर्षों से अधिक समय से समाजसेवा में योगदान दे रहे रोटेरियन योगेंद्र अग्रवाल को सम्मानित किया गया। इस दौरान पांच मेधावी छात्राओं को साइकिल प्रदान की गई तथा क्षयरोगियों के उपचार व पौष्टिक आहार के लिए आर्थिक सहायता भी दी गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में रोटेरियन एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026-28 के लिए पंजीयन शुरू, युवाओं को जापान जाने का मौका

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। देश के हुनरमंद युवाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता 2026-28 के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो गया है।

प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए पंजीयन पूरी तरह निःशुल्क है। इच्छुक युवा 15 सितंबर 2026 तक स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

राष्ट्रीय विजेताओं को जापान जाने का अवसर- शासकीय आईटीआई शिवपुरी के नोडल प्राचार्य हेमंत दंडोतिया ने बताया कि प्रतियोगिता के राष्ट्रीय विजेताओं को वर्ष 2028 में जापान के आईची में आयोजित होने वाली वर्ल्ड स्किल्स कॉम्पिटिशन में भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा।

पंजीयन एवं प्रतियोगिता से जुड़ी तकनीकी जानकारी के लिए युवा शासकीय आईटीआई शिवपुरी में संपर्क कर सकते हैं।

63 स्किल्स में दिखाएंगे हुनर- प्रतियोगिता में रोबोटिक्स, साइबर सिक्योरिटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, वेल्डिंग, कारपेंट्री, फैशन टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल सहित कुल 63 इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स शामिल हैं। प्रतियोगिता जिला, राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर चार चरणों में आयोजित होगी।

शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता नहीं- प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए अभ्यर्थी की जन्म तिथि सामान्यतः 1 जनवरी 2006 या उसके बाद की होनी चाहिए। खास बात यह है कि इसमें किसी निर्धारित औपचारिक शैक्षणिक योग्यता की बाध्यता नहीं है। युवाओं का चयन उनके कौशल और हुनर के आधार पर किया जाएगा। 15 सितंबर अंतिम तिथि- इच्छुक युवा निर्धारित समय सीमा में निःशुल्क ऑनलाइन पंजीयन कर प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

भिटौरा रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आए दो ट्रेन अटेंडेंट, मौके पर मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / फतेहगंज पश्चिमी। भिटौरा रेलवे फाटक के पास गुरुवार को एक दर्दनाक रेल हादसे में दो ट्रेन अटेंडेंट की जान चली गई। ट्रेन के रुकने के दौरान दोनों कर्मचारी नीचे उतरकर रेलवे ट्रैक के पास खड़े थे। इसी दौरान दूसरी लाइन से गुजर रही तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में दोनों आ गए। हादसा इतना अचानक हुआ कि उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। ट्रेन से उतरने के बाद पटरी के पास खड़े थे दोनों कर्मचारी- जानकारी के मुताबिक ट्रेन संख्या 04014 लोकहा बाजार (आनंद विहार-लोकहा बाजार) भिटौरा रेलवे फाटक के पास रुकी थी। इसी ट्रेन में ट्रेन अटेंडेंट के रूप

में दीपक चौहान और बिमलेश कुमार त्रिवेदी उर्फ साजन ड्यूटी पर थे। ट्रेन रुकने के दौरान दोनों नीचे उतरे और रेलवे लाइन के पास खड़े हो गए। इसी दौरान मुरादाबाद की ओर से दूसरी लाइन पर 18104 अमृतसर-टाटानगर नॉन-स्टॉप ट्रेन तेज गति से गुजर रही थी। दोनों कर्मचारी उसकी चपेट में आ गए। अचानक हुए हादसे से मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पलक झपकते ही चली गई दोनों की जान- हादसे में 26 वर्षीय दीपक चौहान और 28 वर्षीय बिमलेश कुमार त्रिवेदी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक दीपक चौहान पुत्र सुमेर सिंह, नवादा गांव, थाना लवेदी, जिला इटावा के रहने वाले थे। वहीं बिमलेश कुमार त्रिवेदी उर्फ साजन, गांव और थाना गुरबक्शगंज, जिला रायबरेली के निवासी थे। दोनों रेलवे में ट्रेन अटेंडेंट के तौर पर कार्यरत थे। हादसे की खबर सामने आते ही मौके पर मौजूद लोगों में चीख-पुकार मच गई। पुलिस और जीआरपी ने संभाली कार्रवाई- घटना की जानकारी मिलते ही फतेहगंज पश्चिमी थाने के उपनिरीक्षक प्रदीप सैनी, हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह और कांस्टेबल प्रभास कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। कुछ ही देर बाद बरेली जंक्शन से जीआरपी की टीम भी घटनास्थल पर पहुंच गई। पुलिस और जीआरपी ने दोनों शवों की शिनाख्त कराई और घटना की जानकारी उनके परिजनों को दी। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। घरों में मचा कोहराम- दोनों युवकों की मौत की खबर जैसे ही उनके परिवारों तक पहुंची, वहां कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। दोनों नौकरी के सिलसिले में ट्रेन में ड्यूटी कर रहे थे, लेकिन ड्यूटी के दौरान हुआ यह हादसा उनके परिवारों के लिए जिंदगी भर का गम छोड़ गया। जीआरपी ने हादसे के कारणों और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि दोनों कर्मचारी ट्रेन से उतरकर रेलवे ट्रैक के पास किस वजह से खड़े हुए थे और हादसा किन परिस्थितियों में हुआ।

Could persistent fatigue and lethargy be a sign of thyroid disease? Be alert.

Many signs of thyroid disease mimic stress and general fatigue. It's important to look for patterns in persistent fatigue, weight gain, feeling cold, constipation, changes in hair and skin, restlessness, or a rapid heartbeat. If several symptoms occur simultaneously and persist for a long time, consult a doctor for a thyroid test. Do you also experience fatigue upon waking, lack of interest in work, and weight gain? People often attribute these problems to stress, lack of sleep, or a poor daily routine. This is true sometimes, but if these symptoms recur, be wary. Could this be a sign of a thyroid hormone imbalance? The thyroid is a small gland in the front of the neck that affects the body's energy and many other processes. Underproduction of these hormones can lead to hypothyroidism, and overproduction can lead to hyperthyroidism. Let's explore the signs of thyroid disease that often confuse people. Persistent fatigue and lethargy: If you feel heavy and tired even after a full night's sleep, don't ignore it, thinking it's just stress. Fatigue and lethargy can be common in hypothyroidism. If fatigue is accompanied by problems like weight gain, feeling cold, constipation, dry skin, or hair loss, talk to your doctor about thyroid testing. Unexplained weight gain or loss: If weight is steadily increasing without major dietary changes, thyroid problems could be a contributing factor. Weight gain can occur in hypothyroidism. Hypothyroidism causes fewer thyroid hormones to be produced, slowing the body's metabolism. This causes the body to burn fewer calories, leading to weight gain. Irritability and restlessness: Feeling constantly stressed or irritable can also sometimes be linked to thyroid problems. Especially when the thyroid is overactive, it can cause restlessness, hand tremors, rapid heartbeat, and sleep problems. However, irritability or poor sleep alone doesn't necessarily mean thyroid problems. Other symptoms also need to be considered. Hair loss, thinning hair, dry skin, and constipation can be symptoms of hypothyroidism. But these problems can also have other causes. If fatigue, weight gain, and feeling cold are also occurring for a long time, then get your thyroid checked by a doctor. Doctors say that if these symptoms persist for several weeks and are affecting daily activities, then consult a doctor. If there is swelling or lump in the neck, difficulty in swallowing, difficulty in breathing, or irregular heartbeat, then do not delay the test.

General tickets are now booked through this app, not UTS; discounts are also available.

Few people know that the UTS app, which previously allowed online booking of general bogie tickets, has now been discontinued. If you want to book general tickets online, you'll need to do so through the RailOne app, which everyone should understand. The Indian Railways' general ticket booking system for unreserved and local trains has undergone a major transformation. The Railways recently replaced the old UTS app with a new, modern app called "RailOne." With this app, passengers can book general, platform, and season tickets from their mobile phones in seconds, without having to wait in long lines at the station. This new all-in-one app not only makes booking tickets easier but also offers passengers special discounts. Let's explore this in this article. General ticket booking through the RailOne app is easily downloadable from the Google Play Store or Apple App Store. You can sign in directly to this app using your old IRCTC login credentials. The app features a "paperless ticket" without a printout, eliminating the need to print it at the station after booking. With GPS location, you can book your unreserved (general) ticket in just a few clicks as soon as you arrive at the station premises. 3% discount on payments using R-Wallet: Indian Railways is offering a direct 3% discount on ticket fares for payments made using the new app. The funds stored in the R-Wallet from the old UTS app can be easily transferred to the new RailOne app by registering with the same mobile number. The R-Wallet can be instantly recharged using UPI, debit, or credit cards, eliminating the risk of payment failure. This 3% savings on every general or platform ticket booking proves to be very beneficial for daily commuters. All railway facilities available in a single app Not only unreserved but also reserved train tickets through IRCTC can be booked on RailOne app. During the journey, live running status of the train, platform number and PNR status can also be tracked at one place. Easy and secure way for ticket booking For security reasons, biometric and mPIN login facility has been provided in this app. Open the app, go to 'Book Ticket', select 'Unreserved Ticket' option and enter the name of your departure and destination station. On making the payment through R-Wallet, your 3% discount will be applied and the digital ticket will be displayed on your screen instantly. At the time of ticket checking, you can show the valid ticket to the TTE by using the 'Show Ticket' option on your phone even without internet.

When does fatty liver become a serious disease? A little carelessness can increase the risk of cirrhosis.

Fatty liver is often asymptomatic in its early stages. In some people, inflammation and damage to the liver can progress to fibrosis and cirrhosis. If you are obese, have insulin resistance, or diabetes, be alert. Fatty liver is a rapidly increasing disease, even among younger people. The problem of increased liver fat can have many adverse effects on the body. Lifestyle and dietary disorders significantly increase the risk of this disease. Many people with fatty liver do not show any significant symptoms in the early stages. However, if this problem is not identified early or is not treated, it can cause serious liver damage. In some people, it can trigger inflammation and cell damage along with fat accumulation in the liver. In the long run, it can lead to fibrosis, scarring of the liver, and even cirrhosis. Fatty liver is often considered a silent disease. In the early stages, it does not cause any significant problems. Some people may experience fatigue or pain in the upper right abdomen. Let's explore how this condition can lead to serious complications. Fatty liver disease is a common condition. Fatty liver can remain stable for many people for a long time. However, in some individuals, the fat can cause inflammation and cell damage in the liver. This condition can progress to scarring, or fibrosis, over time. If scarring becomes severe, it can lead to cirrhosis. In cirrhosis, scar tissue begins to replace healthy liver tissue, making it difficult for the liver to function normally. However, it's not necessary that everyone with a fatty liver will experience these complications. Who is at risk for serious complications from fatty liver? Obesity and excess fat around the abdomen are the main causes of fatty liver. This condition is also more common in people with insulin resistance and type 2 diabetes. If you have diabetes or obesity along with fatty liver, you need to be more careful. Alcohol consumption can also affect the risk of liver disease. What are the signs of the severity of fatty liver? Fatty liver often has no symptoms in the early stages. Some people may experience fatigue or discomfort in the right upper abdomen. This is why it's difficult to assess the severity of fatty liver based on symptoms alone. If liver disease progresses and increases the risk of cirrhosis, it can often cause fatigue and weakness, loss of appetite, unintentional weight loss, and persistent pain in the right upper abdomen. What do doctors say? Doctors say that liver problems should never be ignored. If abdominal pain is accompanied by yellowing of the eyes or swelling due to fluid retention in the abdomen, this should be taken seriously. Changes in memory, behavior, or sleep patterns can also be signs of serious liver disease. Vomiting blood or black stools can be a sign of internal bleeding, which is considered an emergency. If a fatty liver is detected in the report, consult a doctor immediately and begin treatment. Early attention can prevent complications.

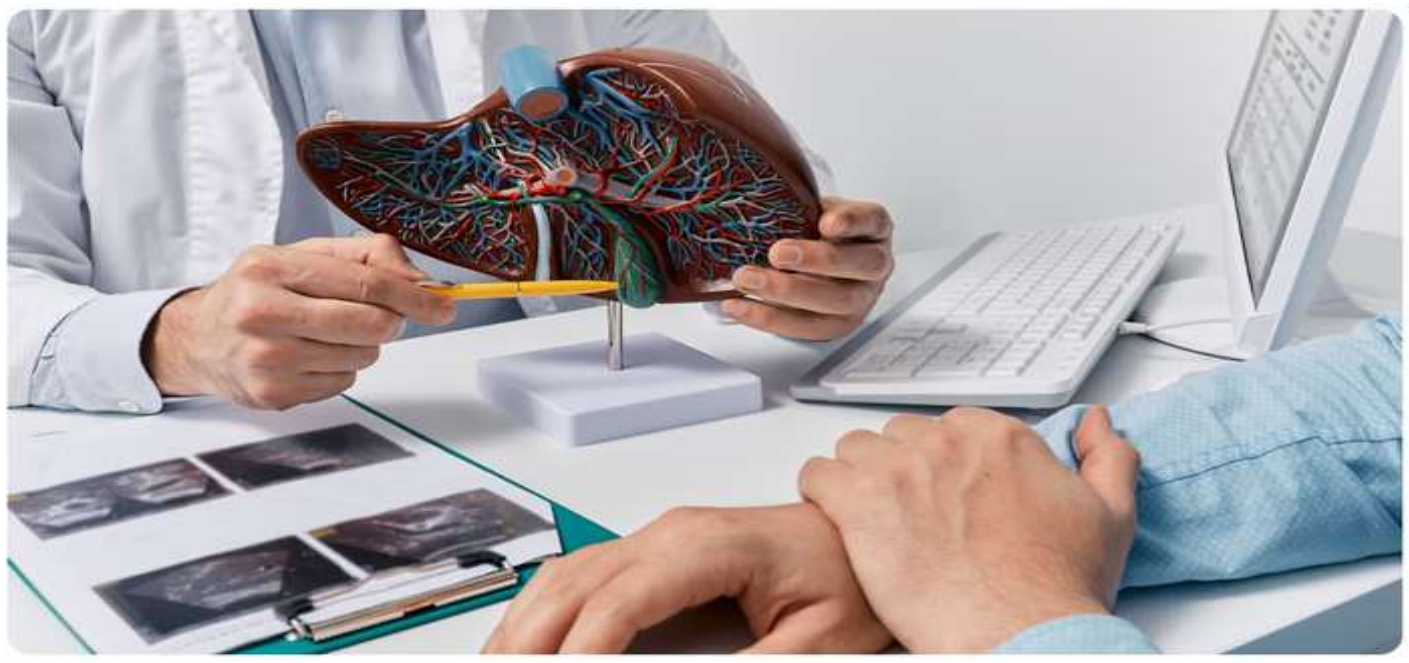

The flop spy thriller's fortunes will change on OTT When and where will Alia Bhatt's Alpha stream?

Details regarding the OTT release date of actress Alia Bhatt's flop spy thriller, Alpha, are emerging. Alpha will stream on this OTT platform. Alpha's OTT release date has been revealed.

The spy thriller, which failed at the box office, was seen as one of the most anticipated films of the year by Yash Raj Films. Fans had high expectations for this movie, starring Alia Bhatt, Bobby Deol, Sharvari Wagh, and Anil Kapoor. However, Alpha proved to be a commercial failure at the box office. Discussions have now intensified regarding Alpha's OTT release, and the date has also been revealed. So, let's find out when and where Alia Bhatt's Alpha will stream online. When will Alpha be available on OTT? On July 3, 2026, Alpha was released in theaters worldwide. Yash Raj Films, following successful spy thriller franchises like Ek Tha Tiger, War, and Pathan, bet on Alpha this time around. However, this gamble backfired, and the film flopped at the box office. Now, the film is relying on OTT. Reports suggest that the makers have fully planned Alpha's release on OTT platforms, and its OTT release date has also been finalized. Based on this, Alpha will be streamed online on Netflix on the occasion of Raksha Bandhan, August 28th. Viewers who haven't yet seen Alia Bhatt and Sharvari Wagh's action thriller, Alpha, can now enjoy it from the comfort of their homes. The story of Alpha tells the story of an intelligence agent from an enemy country who, with nefarious intentions, kidnaps an Indian soldier's daughter, injects her with the Alpha serum, transforming her into a warrior who poses a threat to the Indian Army. To find out how that villain is exposed, you'll have to watch Alpha. Alpha Box Office Collection: According to a Bollywood Hungama report, the spy thriller grossed ?58 crore (approximately $1.5 billion) at the domestic box office. Worldwide, the film only grossed over ?98 crore (approximately $1.5 billion) and failed to recover its budget.

After 3 years, good news has arrived on Animal Park; the makers have revealed when Ranbir Kapoor's film will begin production.

The makers have shared a fresh update on actor Ranbir Kapoor's most anticipated film, Animal Park. Ranbir Kapoor's Animal was released in 2023. Animal Park has been awaited for the past 3 years. Sandeep Reddy Vanga is the director of the sequel to Animal. When it comes to the most successful film in superstar Ranbir Kapoor's career, Animal is a key player in the list. Directed by renowned South Indian director Sandeep Reddy Vanga, Animal was released in theaters in 2023 and was a commercial blockbuster. Around that time, the announcement of Animal's sequel, Animal Park, was made. However, reports of the film being shelved surfaced. The makers have now broken their silence and revealed when Animal Park will begin production. When will Animal Park shooting begin? In the filming of Animal, one of the highest-grossing films of 2023, hints were also made about its sequel, Animal Park. Following this, people became increasingly curious about Animal Park, and various speculations have surfaced over the past three years. Chinese censorship cuts off the 4000 crore Ramayana! Ranbir's film will be released in a different version in the neighboring country. However, Pranay Reddy Vanga, brother of Animal director Sandeep Reddy Vanga and producer of the film, has now revealed his and Sandeep's plans for Animal Park. In a recent interview regarding Animal Park, Pranay Reddy Vanga said, "After the release of Spirit, we will take a six-month break. After returning from vacation, we will start working on Animal Park." This means that fans waiting for Animal Park will have a long wait. Spirit, starring Prabhas and Tripti Dimri, is scheduled to release on March 5th next year. This means that shooting for Animal Park could begin by the end of next year. Ranbir's Next Films Furthermore, Ranbir Kapoor has a busy schedule. First up is Part 1 of his highly anticipated mythological film, Ramayana, which will be released in theaters this Diwali. Next up is director Sanjay Leela Bhansali's much-anticipated film, Love and War. The sequel to Brahmastra is also on the list.

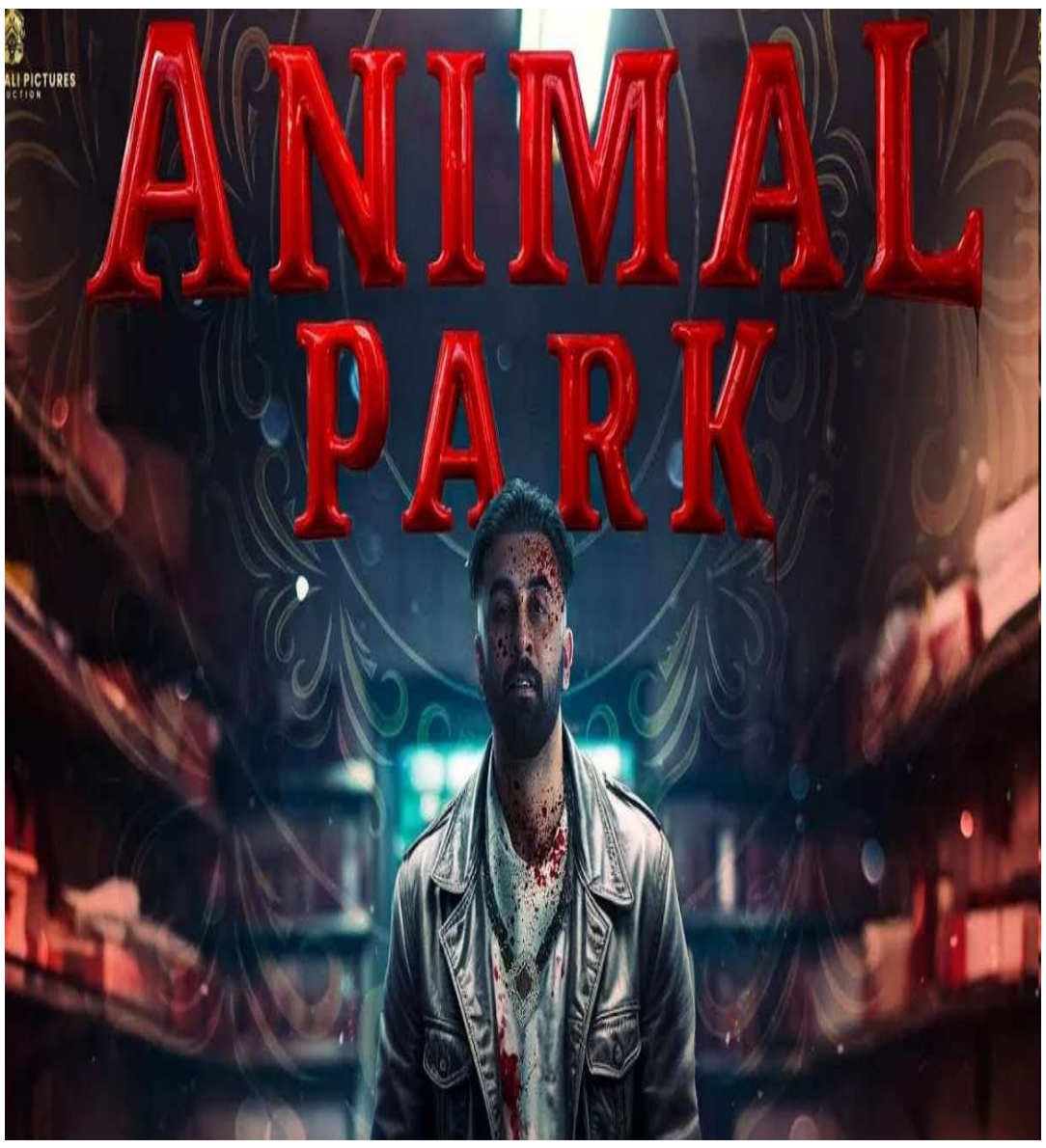

Learned from Imtiaz Ali, learned about the struggles of Bobby and Taapsee: JFF's procession ended in Delhi, now set to take off in Uttar Pradesh.

The large presence of GenZ audiences at the Jagran Film Festival (JFF) in Delhi proved the young generation's deep love for cinema. Find out what made the JFF special in Delhi... While there may have been speculation after the COVID-19 pandemic that only big-budget films would attract audiences, or that something different would be required to attract them, the large presence and passion of GenZ audiences at the four-day Jagran Film Festival (JFF) in the capital dispelled all these fears. It proved that the young generation's love for cinema remains as deep as ever. Actress Taapsee Pannu, who came to the festival to understand GenZ, also expressed her desire to understand how the new generation perceives cinema, what they expect, and what they want to see. "I want to take this feeling with me," she said. JFF also provided an opportunity to understand this pulse of young audiences and experience their love for cinema up close. The next stop of the film festival After captivating the hearts of Delhi's cinephiles at the Ambedkar International Centre in Connaught Place, the heart of Delhi, JFF departed with a promise to return next year. The festival's next stop will be Lucknow and Kanpur. Over four days, JFF featured screenings of Indian and foreign cinema, as well as world premieres of several films. Filmmakers like Madhur Bhandarkar, Sudhir Mishra, Imtiaz Ali, and Pen Nalin provided cinephiles with the opportunity to learn the nuances of filmmaking, while casting directors like Tess Joseph and Mukesh Chawla addressed the concerns of young people aspiring to pursue a career in cinema. Stars shared their life stories. Conversations with actors Bobby Deol and Makarand Deshpande, and actresses Taapsee Pannu and Moushumi Chatterjee provided an opportunity to delve into their struggles, their film and personal lives. Audiences returned from the festival not only with memories of their films, but also with a new perspective on cinema. The atmosphere, filled with questions and conversations, conveyed the message that cinema is not just a story shown on screen, but also a medium to understand, feel, and learn from it. No matter how much the medium and tools change, the foundation of cinema will always remain creativity, imagination, and human sensitivity. L. Murugan announced that the Orange Economy will generate 2 million jobs in the country over the next four years. The Orange Economy encompasses economic activities related to creativity, arts, culture, and entertainment. However, with these promises, JFF left behind many happy memories. Highlights Cine lovers got a chance to learn the nuances of filmmaking from filmmakers like Madhur Bhandarkar, Sudhir Mishra, Imtiaz Ali, Pen Nalin Interaction with Bobby Deol, Makarand Deshpande, Taapsee Pannu, Moushumi Chatterjee etc. gave an opportunity to peek into their film and personal lives Casting directors like Tess Joseph, Mukesh Chawla resolved the doubts of the youth dreaming of making a career in the film world